हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 13 जुलाई, 2025

11 नशा मुक्ति अभियान के तहत 24 पीड़ितों की हुई काउंसलिंग

12 जनस्वास्थ्य विभाग में धरना देकर की नारेबाजी

खबर संक्षेप

अवैध शराब सहित युवक गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए सिरसा पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर छापामार कर एक व्यक्ति को अवैध शराब सहित शहर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। शनिवार को सीआईए प्रभारी प्रेम कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान कमलजीत के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान बाजीगर मोहल्ला क्षेत्र में थी इसी दौरान कार्रवाई की गई।

गाली-गलोच व हमला करने पर केस दर्ज

ओढां। रोड़ी पुलिस ने गांव रोहन निवासी एक व्यक्ति के बयान पर गाली गलोच करने, धारदार हथियार से हमला करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

सोनी धर्मशाला में चुनाव आज

सिरसा। बेगू रोड स्थित सोनी धर्मशाला में अखिल भारतीय स्वर्णकार समाज चैरिटेबल ट्रस्ट के चुनाव रविवार को होंगे। स्वर्णकार समाज के पूर्व प्रधान सुखविंद्र सोनी ने सतीश कुमार उर्फ सोनू गोरीवाला का नाम प्रस्तावित किया, जिसका समर्थन पूर्व तहसील प्रधान गजानंद सोनी व राजकुमार भूण सहित समाज ने स्वागत किया। सतीश उर्फ सोनू ने अपना नामांकन दाखिल किया है।

चोरी के तीन नाबालिग आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने निर्माणाधीन मकान से बिजली तार चोरी के मामले में तीन नाबालिग बच्चों को अभिरक्षा में लिया है। शिकायतकर्ता नानक चंद ने बीती 24 जून को पुलिस चौकी सब्जी मंडी में शिकायत दी थी कि वह सरस्वती कॉलोनी में मकान निर्माण करवा रहा है, जहां बिजली फिटिंग के लिए लाए गए 31 बंडल में से 28 बंडल तार चोरी हो गए।

न्यायिक परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

35,104 मामलों में से 31,175 का मौके पर किया समाधान

71 लाख 49 हजार 478 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा जिला व उपमंडल स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह लोक अदालत न्यायिक परिसरों में संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न प्रकार के मामालों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में 35104 मामलों में से 31175 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया जबकि 96 लाख 49 हजार 478 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई। इन मामलों में प्री लिटिगेशन के कुल 30981 मामलों में से 29802 मामलों का निपटारा किया गया जबकि 25 लाख रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई जबकि लंबित कोर्ट के कुल 4123 मामलों में से 1373 मामलों का निपटारा किया गया जबकि 71 लाख 49 हजार 478 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री ने बताया कि न्यायाधीशों ने पक्षकारों की सहमति से मामलों का शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया। न्यायाधीशों ने मामलों की सुनवाई करते हुए नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने कोर्ट में लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं, जिससे न केवल समय और धन की बचत होगी बल्कि आपसी सौहार्द भी बना रहेगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटाए गए मामलों के फैसलों को अन्य किसी कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवेन्दु जैन, पारिवारिक न्यायालय प्रधान न्यायाधीश नताशा शर्मा, एडिशनल सिविल जज (सीनियर डिवीजन) विनती व न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी जोगिंदर जांगड़ा, उपमंडल रतिया पर सब डिविजनल जुडिशल मजिस्ट्रेट सलोनी गुप्ता तथा उप मंडल टोहाना में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मुकेश कुमार की अदालत में राष्ट्रीय लोक अदालत लगाई गई। इस दौरान न्यायाधीशों ने राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न श्रेणियों के वाद, जैसे बैंक ऋण, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक विवाद व अन्य दीवानी एवं फौजदारी मामलों का निस्तारण किया गया। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा लोक अदालतों के माध्यम से शीघ्र न्याय प्रदान करने की इस पहल को सफल बनाने के लिए आम जनता से अधिकाधिक भागीदारी की अपील की गई।

फतेहाबाद। लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते न्यायाधीश।

सिरसा। लोक अदालत में केसों का निपटारा करते न्यायाधीश।

सिरसा में 29501 केसों का निपटारा

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शनिवार को न्यायालय परिसर सिरसा, उपमंडल न्यायालय परिसर डबवाली व ऐलनाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि इस लोक अदालत में सभी तरह के न्यायालयों में विचाराधीन केस निपटारे के लिए रखे गये थे। जिनमें मुख्यतः चेक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली व पानी से संबंधित विवाद, दिवानी व फौजदारी विवाद आदि शामिल थे। इस लोक अदालत में न्यायालयों में विचाराधीन कुल 31277 केसों में से 29501 केसों का निपटारा किया गया।

रोहिड़ावाली में ढीले तार को कसा

- 15 दिन पहले आई आंधी से बिजली का पोल टूटकर फसल में गिरा था

हरिभूमि न्यूज ⏭ओढां

क्षेत्र के गांव रोहिड़ांवाली के रकबे में आंधी के चलते एक किसान के खेत में करीब 15 दिनों से बिजली आपूर्ति ठप पडी थी। इस समस्या को लेकर किसान चेत राम निवासी ख्योंवाली ने बिजली विभाग के अधिकारियों से बार बार गुहार लगाई लेकिन किसी ने कोई सुनवाई नहीं की उल्टा लेबर खर्च के नाम पर सुविधा शुल्क मांगा। विभाग की हरकतों से तंग आकर किसान ने मीडिया का सहारा लिया और जिसे प्रमुखता से प्रकाशित किया। समाचार प्रकाशित होने की भनक जब विभाग के अधिकारियों को पता चली तो उन्होंने उसी समय कर्मचारी भेज कर तारें जोड़कर बिजली आपूर्ति शुरू कर दी। किसान चेत राम ने कहा कि बिजली कर्मी बिना कोई सुविधा शुल्क लिए लाइन जोड़ गए और उनकी ढाणी व ट्यूबवेल की लाइट जल गई। बता दें कि करीब 15 दिन पहले आई आंधी से बिजली का पोल टूट कर ज्वार व बाजरा की फसल में गिर गया था परंतु कर्मचारियों ने कई दिनों तक कोई सुध नही ली। बार बार बिजली विभाग के अधिकारियों से गुहार लगाने के बाद पोल तो खड़ा कर दिया लेकिन अभी तक तारें नही जोड़ी थी।

सिरसा। गांव रोहिड़ांवाली में किसान के खेत में गिरी तारों को जोड़ते हुए बिजली कर्मी।

फिसलकर ट्रक के नीचे आई स्कूटी, बाल-बाल बचे दो युवक

- नेशनल हाइवे 9 पर हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

नेशनल हाइवे 9 पर हिसार रोड पर शनिवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गांव धांगड़ के पास बने ओवरब्रिज के पास स्कूटी सवार युवक अचानक ट्रक के आगे आ गए। ट्रक चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत ब्रेक तो लगा दिए लेकिन स्कूटी फिसलते हुए ट्रक के नीचे आ गई। इस हादसे में स्कूटी सवार युवकों की जान तो बच गई लेकिन उन्हें मामूली चोटें आई है वहीं ट्रक की चपेट में आने से स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और दोनों युवकों को संभाला और स्कूटी को ट्रक के नीचे से बाहर निकाला। अगर ट्रक चालक ब्रेक नहीं लगता तो दोनों युवकों की जान भी जा सकती थी। मिली जानकारी के अनुसार गांव बड़ोपल निवासी दो युवक स्कूटी पर सवार अपने गांव की ओर जा रहे थे इसी दौरान जैसे ही स्कूटी सवार युवक धांगड़ ओवरब्रिज के पास पहुंचे तो अचानक स्कूटी फिसल गई और दोनों युवक स्कूटी सहित ट्रक के आगे गिर गए।

फतेहाबाद। ट्रक के नीचे फंसी स्कूटी।

अजय विहार कॉलोनी में किया पौधरोपण

सिरसा। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव लाल बहादुर बैनीवाल ने एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत शनिवार को अजय विहार कॉलोनी में दस पौधे रोपित किए। इस अभियान में उनके साथ पशुपालन विभाग से सेवानिवृत्त कर्मचारी बलदेव ज्याणी, भुवनेश मेहता, राघव ज्याणी, नितिश श्योराण, विश्वप्रताप ज्याणी, लक्ष्य श्योराण, रुद्रा श्योराण, दीया श्योराण, आदित्य भांभू व उदयवंश चोयल भी मौजूद थे। इस दौरान लाल बहादुर बैनीवाल व बलदेव ज्याणी ने संयुक्त रूप से कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण की समस्या विश्व स्तर पर बढ़ रही है और इसे रोकने के लिए केवल पौधारोपण ही एकमात्र उपाय है। उन्होंने कहा कि ये वर्तमान समय की जरूरत भी है। सभी लोगों को अपने जीवन में अधिकाधिक पौधे रोपित करने चाहिएं।

इलेक्ट्रिक व्हीकल डीलरशिप के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने इलेक्ट्रिक व्हीकल डीलरशिप के नाम पर सिरसा के एक व्यक्ति से लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में एक आरोपी को बिहार से गिरफ्तार किया है। साइबर थाना प्रभारी सुभाष चंद्र ने शनिवार को बताया कि गोपाल कागजी से इलेक्ट्रिक वाहन डीलरशिप देने के पर पर करीब पांच लाख 81 हजार रुपये की ठगी की गई। गोपाल कागजी ने पुलिस को दर्ज करवाई शिकायत में बताया कि उसे ईमेल के जरिये एक व्यक्ति ने इलेक्ट्रिक वाहन डीलरशिप लेने का झासा दिया। उसने आरोपी व्यक्ति द्वारा बताए गए बैंक खातों में पांच लाख 81 हजार रुपये की राशि डाल दी। सिक्योरिटी फीस जमा करने के बाद उपरोक्त व्यक्ति का कोई मैसेस नहीं आया। उसने ईमेल व दिए गए फोन पर उससे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन बंद था। गोपाल कागजी को अपने साथ ठगी का एहसास हुआ तो उसने साइबर थाना में शिकायत दी। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए फोन नंबर व बैंकों खातों के जरिये आरोपी व्यक्ति तक पहुंची। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बिहार के नालंदा निवासी नयन कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी को बिहार से गिरफ्तार कर 5 दिन का राहदारी रिमांड प्राप्त किया गया।

हलकी फुंहारों के बावजूद बढ़ी उमस, 15 तक बारिश के आसार

फतेहाबाद। मानसून आने के बावजूद मौसम लोगों के मजे ले रहा है। दो दिन पूर्व हुई बरसात के बाद लोग उमस से बेहाल है। शनिवार सुबह से ही हलकी बौछारे दोपहर तक पड़ती रही। न बारिश हुई, न कोई तेज हवा चली, जिसके चलते उमस ने घेर लिया। यही वजह रही कि शनिवार को यहां का अधिकतम तापमान 33 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बिजली के कटों ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया। बिजली कट के चलते दोपहर को शहर में पानी की सप्लाई भी नहीं हुई। हालांकि मौसम विभाग ने 15 जुलाई तक लगातार बारिश की संभावना जता रखी हैं लेकिन फतेहाबाद में अभी तक खुलकर बरसात न होने से लोग मानसून के सुहावने मौसम से वंचित हो रहे हैं।

11 साल से फरार चूरा पोस्त का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों और उनके नेटवर्क पर लगातार कड़ा शिकंजा कसा जा रहा है। इसी अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स सेल ने 11 वर्ष पुराने एनडीपीएस एक्ट के मामले में वांछित एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान निहाल सिंह उर्फ जट्टू पुत्र ईश्वर सिंह, निवासी अजीत नगर रतिया के रूप में हुई है। इस मामले में पहले ही दो आरोपी हरबंस पुत्र जगतार सिंह व निशान सिंह उर्फ छानी पुत्र सोहन सिंह निवासी अजीत नगर को गिरफ्तार किया जा चुका है। एएनसी प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह ने बताया कि 24 मार्च 2014 को एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना स्तर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। उस समय पुलिस टीम गांव बीराबदी नहर पुल पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी, तभी एक कैंटर वाहन नाका तोड़कर तेज गति से भागा और एक गली के मोड़ पर जाकर फंस गया।

इक्विटी फंड्स ने एसआईपी पर 27% तो लंपसम पर 23% दिया सालाना रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों की हो गई बढ़िया कमाई, लगातार बढ़ रहे निवेशक, लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर निवेश करेंगे तो हो जाएंगे मालामाल

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए पैसे लगाने की बात कही जाती है। आंकड़े भी यही बताते हैं कि इक्विटी फंड्स में 10 साल के लिए निवेश करने पर पॉजिटिव रिटर्न की पूरी संभावना रहती है, जबकि निगेटिव रिटर्न की आशंका ना के बराबर रह जाती है। यहां हम कुछ ऐसे इक्विटी फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 10 साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रिटर्न दिए हैं। इन इक्विटी फंड्स ने न सिर्फ लंपसम इनवेस्टमेंट पर सालाना 19 से 23 फीसदी तक फायदा कराया है, बल्कि एसआईपी करने वालों को भी 22 से 27 फीसदी तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। हमने यहां सिर्फ उन्हीं फंड्स को लिया है, जिनकी वैल्यू रिसर्च की रेटिंग 4 या 5 स्टार है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले इक्विटी फंड

यहां हम जिन इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, उनमें एसआईपी पर सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम में अगर किसी ने 10 साल पहले हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू की होगी, तो उनके 12 लाख के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू 49 लाख रुपये तक पहुंच गई होगी। इन सभी फंड्स ने एसआईपी और लंपसम दोनों में अच्छा-खासा मुनाफा दिया है। वह भी अच्छी रेटिंग के साथ।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 22.76%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,77,138 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.02%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 44,53,987 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64%

2. क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 21.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,09,694 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.59%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 41,25,214 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.51%

3. क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 20.83%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,63,497 रुपये
- SIP पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.83%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 49,08,676 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.66%

4. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.67%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,02,320 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.24%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,48,537 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%

5. कोटक मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.45%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,91,346 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.92%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,71,502 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.38%

6. एडलवाइज मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,90,999 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.47%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,98,172 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.39%

7. एचडीएफसी मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.03%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,70,794 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.09%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,07,119 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.75%

क्या बता रहे हैं आंकड़े

10 साल में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाले इन इक्विटी फंड्स में 4 मिडकैप फंड, 2 स्मॉल कैप फंड और एक ईएलएसएस फंड है। इन सभी के रिटर्न के आंकड़ों से एक बात तो साफ है कि अगर निवेशक सही स्कीम में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें तो काफी अच्छा मुनाफा ले सकते हैं। फिर चाहे वो लंपसम इनवेस्टमेंट हो या मंथली एसआईपी के जरिये किया गया निवेश। हालांकि म्यूचुअल फंड में पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबी अवधि के लिए किया गया रेगुलर इनवेस्टमेंट आमतौर पर फायदेमंद साबित होता है, लेकिन स्टॉक्स में एक्सपोजर की वजह से इन सभी इक्विटी फंड्स को बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग मिली हुई है। लिहाजा निवेश के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले अपने रिस्क प्रोफाइल यानी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

जितनी लंबी नौकरी, उतनी ही ज्यादा मिलेगी ग्रैच्युटी

समझदारी
बिजनेस डेस्क

- एक कंपनी में लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक काम करने पर मिलती है ग्रैच्युटी
- यह लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया है

अगर आप एक ही कंपनी में लंबे समय तक काम करते हैं, तो रिटायरमेंट या नौकरी छोड़ने पर कंपनी की ओर से ग्रेच्युटी के रुप में एक खास तोहफा मिलता है। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होती है, जो आपकी मेहनत का इनाम है, लेकिन लोग अक्सर इसको लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि ग्रेच्युटी रकम कब मिलती है, कितनी मिलती है और कैसे मिलती है? अगर आपकी सैलरी अंतिम सैलरी 25,000, 30,000 या 40,000 रुपये है और आपने एक ही कंपनी में 15 साल तक काम किया है, तो आपको रिवार्ड के रूप में कितनी गेच्युटी मिलेगी? यहां दिए गए कैलकुलेशन से समझिए।

ग्रेच्युटी क्या होती है?

ग्रेच्युटी वो रकम है जो कंपनी आपको तब देती है जब आपने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक वहां काम किया हो। ये लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया गया है।

किन हालातों में मिलती है ग्रेच्युटी

- रिटायरमेंट पर
- नौकरी छोड़ने पर (5 साल की सेवा के बाद)
- अस्थायी या स्थायी अपंगता पर
- कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में (नॉमिनी को)

ग्रेच्युटी के लिए कौन है एलिजिबल?

- अगर आपने एक ही कंपनी में लगातार 5 साल काम किया है तो आप इसके हकदार हैं। मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में 5 साल पूरे ना होने पर भी ग्रेच्युटी दी जाती है।

ग्रेच्युटी कैलकुलेशन के लिए क्या है फॉर्मूला

- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- अंतिम सैलरी = बेसिक सैलरी + डीए (महंगाई भत्ता)

कैसे होती है ग्रेच्युटी कैलकुलेशन?

- ग्रेच्युटी की राशि निम्नलिखित सूत्र से गणना की जाती
- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- यहां, अंतिम वेतन में मूल वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) शामिल होते हैं।
- उदाहरण के लिए अगर आपका अंतिम सैलरी 25,000 रुपये है और आपने 15 साल नौकरी की है, तो

ग्रेच्युटी मिलेगी

- ग्रेच्युटी = (15 × 25,000 × 15)/26 = 2,16,346 रुपये यानी लगभग 2.16 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 15)/26 = 2,59,615 रुपये यानी लगभग 5.60 लाख
- अगर अंतिम सैलरी 40,000 है, तो ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 15)/26 = 3,46,153 रुपये यानी लगभग 3.46 लाख

गणना में अधूरे साल का क्या होता है?

ग्रैच्युटी वो रकम है जो कंपनी अपने कर्मचारी को तब देती है जब उसने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक उसी कंपनी में काम किया हो। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होता है. खास बात ये है कि अगर आपने किसी साल 6 महीने या उससे ज्यादा काम किया है, तो उसे पूरा साल माना जाता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि ग्रेच्युटी की गणना करते समय अगर किसी कर्मचारी ने किसी साल में 6 महीने या उससे अधिक अतिरिक्त सेवा की है, तो उस अधूरे वर्ष को भी पूरा साल माना जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपने 8 साल और 8 महीने काम किया है, तो ग्रेच्युटी कैलकुलेशन में आपकी सेवा अवधि 8 नहीं बल्कि 9 साल मानी जाएगी. यह नियम पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू होता है, और इसके लिए (15 × अंतिम सैलरी × कुल सर्विस ईयर)/26 का फॉर्मूला इस्तेमाल किया जाता है।

- (15 × 25,000 × 9)/26 = 1,29,807 रुपये यानी लगभग 1.30 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 9)/26 = करीब 1,55,769 रुपये
- और अगर अंतिम सैलरी 40,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 9)/26 = 2,07,692 रुपये के आसपास मिलेगी

क्या कंपनी ग्रेच्युटी देने से मना कर सकती है?

यदि कंपनी 'पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972' के अंतर्गत आती है, तो वह कानूनी रूप से ग्रेच्युटी देने से मना नहीं कर सकती। हालांकि, यदि कर्मचारी को अनुशासनहीनता या नैतिक अपराध के कारण बर्खास्त किया गया है, तो कंपनी ग्रेच्युटी देने से इनकार कर सकती है, जितनी लंबी नौकरी और जितना अधिक वेतन, उतनी ज्यादा ग्रेच्युटी। यह आपकी सेवा का सम्मान है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

(नोट: यह जानकारी सामान्य गणनाओं पर आधारित है। सटीक रकम जानने के लिए किसी वित्तीय सलाहकार से संपर्क करें या कंपनी के एचआर विभाग से जानकारी प्राप्त करें।)

पांच साल में 25 से 33% सालाना रिटर्न इन फ्लेक्सी कैप फंड्स ने दिखाया दम

- फ्लेक्सी कैप फंड इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी
- हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते

विश्लेषण
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों में इक्विटी फ्लेक्सी कैप फंड कैटेगरी को लेकर अट्रैक्शन लगातार बढ़ रहा है। एम्फी द्वारा जारी किया गया जून 2025 का डाटा देखें तो फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने और इस कैटेगरी में 5,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह मई 2025 में 3,841 करोड़ रुपये की तुलना में 49% की बढ़त है। इस कैटेगरी में शामिल फंड भी सुपर परफॉर्म कर रहे हैं। 5 साल के दौरान 14 फ्लेक्सीकैप फंड का रिटर्न 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रहा। वहीं, कम से कम 45 फंड ने 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया। इससे निवेशकों के मन में इन फंडों के प्रति आकर्षण अब लगातार बढ़ता जा रहा है। निवेशक अच्छा पैसा कूट रहे हैं।

फ्लेक्सीकैप फंड में क्यों बढ़ा अट्रैक्शन

फ्लेक्सीकैप फंड कैटेगरी की बात करें तो यह इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी मानी जाती है। ये फंड हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते हैं। वहीं इनमें यह सुविधा भी होती है कि बाजार के माहौल के हिसाब से एक तरह के मार्केट कैप से दूसरे मार्केट कैप में निवेश शिफ्ट कर सकें, जिससे बाजार में उतार चढ़ाव का इन पर कम असर होता है। सेबी के नियमों के अनुसार, इन फंड्स को कम से कम 65% पैसा इक्विटी में लगाना जरूरी होता है, लेकिन कई बार यह 90% से ज्यादा भी होता है।

5 वर्ष : 14 फंड ने दिया 25% रिटर्न

- क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड : 32.81%
- आईसीआईसीआई प्रू रिटायरमेंट प्योर इक्विटी फंड : 30.85%
- एचडीएफसी फोकस्ड फंड : 30.11%
- एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड : 29.95%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 29.54%
- एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स इक्विटी फंड : 27.89%
- आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड : 27.38%
- जेएम फ्लेक्सीकैप फंड : 27.24%

- फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 26.73%
- एडलवाइज फ्लेक्सीकैप फंड : 25.78
- पराग पारिख फ्लेक्सीकैप फंड : 25.72%
- फ्रैंकलिन इंडिया फोकस्ड इक्विटी फंड : 25.20%
- निप्पोन इंडिया फोकस्ड फंड : 25%
- 360 वन फोकस्ड फंड : 24.52%

ऐसा रहा रिटर्न

5 साल के दौरान इस कैटेगरी की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 25 से 33 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है. वैल्यू रिसर्च ने फ्लेक्सी कैप और फोकस्ड फंड को एक ही कैटेगरी में शामिल किया है। असल में दोनों की निवेश करने की स्ट्रैटेजी एक जैसी होती है. अंतर बस इतना है कि फोकस्ड फंड्स अधिकतम 30 स्टॉक्स में ही निवेश कर सकते हैं, जबकि फ्लेक्सी कैप फंड्स में ऐसी कोई लिमिट नहीं होती है।

कम से कम 3 गुना किया पैसा

5 साल में अगर कोई फंड 25 फीसदी सीएजीआर ग्रोथ दिखा रहा है, तो इसका मतलब है कि 5 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न 300 फीसदी हुआ। यानी आपका 1 लाख रुपये 5 साल में 3 लाख रुपये हो गया। इसका मतलब है कि फ्लेक्सीकैप फंड की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 5 साल में कम से कम निवेशकों का पैसा 3 गुना बढ़ाया। 30 से 33 फीसदी रिटर्न वाली स्कीम में 3.5 से 4 गुना पैसा बढ़ गया।

45 फंड का रिटर्न 20% से ज्यादा रिटर्न

बीते 5 साल में 14 फंड ने 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया तो कम से कम 45 फंड ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न मिला. यानी 20 से 25 फीसदी के बीच रिटर्न देने वारली स्कीम की संख्या 31 है। इसी से निवेशक अंदाजा लगा सकते हैं कि ये फंड किस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं। 5 साल में क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड 32.81% एनुअलाइज्ड रिटर्न के साथ टॉप पर है। एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड, बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड, आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड, जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड भी टॉपर्स में शामिल हैं।

क्या है फ्लेक्सीकैप फंड

फ्लेक्सीकैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जैसे कि लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप। इसका उद्देश्य विभिन्न बाजार स्थितियों में लचीलापन प्रदान करना और पोर्टफोलियो को विविध बनाना है।

फ्लेक्सीकैप की विशेषताएं

- लचीलापनः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे फंड मैनेजर को बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलती है।
- विविधीकरणः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न सेक्टर्स और मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है।
- सक्रिय प्रबंधनः फ्लेक्सीकैप फंड का प्रबंधन सक्रिय रूप से किया जाता है, जिससे फंड मैनेजर बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय ले सकते हैं।

काम की बात कोई भी कर्ज लेने से पहले ब्याज दर, शुल्क, शर्तें और इससे जुड़ी शर्तों का पता करें, ताकि बाद में आपको कोई नुकसान नहीं उठाना पड़े

पेमेंट एप से पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। ये ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है

पेमेंट ऐप से ले रहे हैं लोन, तो जान लें इसके फायदे-नुकसान पर्सनल लोन लेना आसान है, अपनी जानकारी जरूर जुटाएं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

डिजिटल पेमेंट के इस दौर में गूगल पे जैसे ऐप्स ने न केवल पैसे भेजने और बिल भरने का तरीका आसान किया है, बल्कि अब ये पर्सनल लोन जैसी दूसरी सेवाएं भी दे रहे हैं। गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना कई लोगों के लिए सुविधाजनक विकल्प बन रहा है, लेकिन इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। इसके अलावा, कुछ छिपी हुई लागत भी हो सकती हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। यहां हम गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेने के अलग-अलग पहलुओं को आसान भाषा में समझने की कोशिश करेंगे, ताकि सही समय पर जरूरत के हिसाब से सही फैसला लिया जा सकें।

लोन लेने की प्रक्रिया और सुविधा गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। यह ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है, जैसे कि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और अन्य एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां)।

यह करना होगा यूजर को

यूजर को गूगल पे ऐप पर लोन सेक्शन में जाकर अपनी जरूरत के हिसाब से लोन राशि और अवधि चुननी होती है। आमतौर पर, लोन की मंजूरी कुछ ही मिनटों में मिल जाती है, बशर्ते आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा हो और डॉक्यूमेंट्स पूरे हों। अभी गूगल पे 10,000 रुपये से लेकर 8 लाख रुपये तक के पर्सनल लोन ऑफर करता है, जिसकी ब्याज दरें 10.99% से शुरू होकर 36% तक जा सकती हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल है, यानी आपको बैंक की शाखा में जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही, लोन की राशि सीधे आपके बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाती है, जो इसे तेज और सुविधाजनक बनाता है।

गूगल पे से लोन के नुकसान व जोखिम

हालांकि गूगल पे के जरिए लोन लेना आसान है, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। सबसे बड़ा जोखिम है ऊंची ब्याज दरें। न्यूज़ वेबसाइट मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई एनबीएफसी जो गूगल पे के साथ साझेदारी करते हैं, वे अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज वसूलते हैं, खासकर अगर आपका क्रेडिट स्कोर कम है। इसके अलावा, लोन की अवधि छोटी होने पर मासिक किस्त (ईएमआई) ज्यादा हो सकती है, जो आपके मासिक बजट पर दबाव डाल सकती है।

गूगल पे एक प्लेफार्म

एक और बात ध्यान देने वाली है कि गूगल पे खुद लोन नहीं देता, बल्कि वह एक प्लेटफॉर्म है जो आपको लेंडर्स से जोड़ता है। इसलिए, लोन के नियम और शर्तें उस वित्तीय संस्थान पर निर्भर करती हैं, जिसके साथ आप लोन ले रहे हैं। अगर आप नियम और शर्तें ठीक से नहीं पढ़ते, तो बाद में परेशानी हो सकती है।

छिपी हुई लागत और सावधानियां

गूगल पे के जरिए लोन लेते समय कुछ छिपी लागतें भी हो सकती हैं, जिन्हें अक्सर लोग अनदेखा कर देते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई लोन ऑफर में प्रोसेसिंग फीस, समय से पहले भुगतान का शुल्क (प्री-पेमेंट चार्ज), और देर से भुगतान की पेनल्टी शामिल हो सकती है।

क्या है गूगल पे

गूगल पे एक डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो गूगल द्वारा विकसित किया गया है। यह उपयोगकर्ताओं को अपने मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

पेमेंट एप की विशेषताएं

- डिजिटल पेमेंट : गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- मोबाइल पेमेंट : गूगल पे मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- कॉन्टैक्टलेस पेमेंट : गूगल पे कॉन्टैक्टलेस पेमेंट की अनुमति देता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने मोबाइल डिवाइस को पेमेंट टर्मिनल के पास रखकर पेमेंट कर सकते हैं।
- सुरक्षा : गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं, जैसे कि टोकनाइजेशन और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।

पेमेंट एप के लाभ

- सुविधाः गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की सुविधा प्रदान करता है।
- सुरक्षाः गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।
- गतिः गूगल पे पेमेंट प्रक्रिया को तेज और आसान बनाता है।
- व्यापक स्वीकृतिः गूगल पे को कई ऑनलाइन और ऑफलाइन मर्चेंट्स द्वारा स्वीकार किया जाता है।
- गूगल पे एक सुविधाजनक और सुरक्षित डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

खबर संक्षेप

उज्जवल दृष्टि हरियाणा के तहत बांटे चश्मे

भट्टूकलां। उज्जवल दृष्टि हरियाणा अभियान के अंतर्गत भट्टू कलां में शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉक्टर योगेश गाबा के नेतृत्व में लगभग 250 के करीब मरीजों की आंखों की जांच की गई। इस मौके पर डॉ. गाबा ने बताया कि इस दौरान 186 मरीजों को फ्री चश्मा व दवाइयां वितरित की गई, वही 35 मरीजों को सफेद मोतिया की शिकायत मिलने पर उन्हें ऑपरेशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मरीजों को मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आंखें भगवान द्वारा दी गई अति महत्वपूर्ण शरीर का अंग है।

बारिश होने के 24 घंटे बाद भी जलभराव से परेशानी

हिसार। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष एवं समाजसेविका मनु अग्रवाल ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न मोहल्लों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि बारिश होने के 24 घंटे बीतने के बावजूद गलियों में जलभराव था। लोग अपने दिनचर्चा के कार्य करने के लिए मजबूरी में जलभराव से होकर गुजर रहे थे। कांग्रेस नेता अग्रवाल ने कहा कि कई क्षेत्रों में सीवरेज बैक मार रहे हैं। सरकार व प्रशासन का उनकी तरफ कोई ध्यान नहीं है। लोगों के घरों के सामने सीवरेज का गंदा पानी जमा है और ऐसे में बीमारियां फैलने की आशंका पैदा हो गई है।

नशा मुक्ति अभियान के तहत 24 पीड़ितों की हुई काउंसलिंग

फतेहाबाद। गांव दहमन में ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करते एएसआई सुंदर मुसाफिर। फोटो : हरिभूमि

1. नहला में नशा पीड़ितों की पहचान के लिए पुलिस को नहीं मिला अपेक्षाकृत स्थानीय सहयोग
2. नशा मुक्त समाज की स्थापना के उद्देश्य से गांव दहमन में जागरूकता सभा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के निर्देशन में नशा मुक्त समाज की स्थापना के उद्देश्य से फतेहाबाद पुलिस द्वारा निरंतर प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को नशा मुक्ति टीम द्वारा गांव दहमन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एएसआई सुंदर मुसाफिर के नेतृत्व में एवं ग्राम सरपंच के विशेष अनुरोध पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ सभा के माध्यम से ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर टीम द्वारा पूर्व में चिन्हित 10 नशा पीड़ितों के साथ-साथ 14 नए मामलों की पहचान कर कुल 24 पीड़ितों की व्यक्तिगत काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के उपरांत होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक पद्धति से तैयार निःशुल्क औषधियां भी वितरित की गई।

उल्लेखनीय है कि गांव दहमन में पूर्व में किए गए पुलिस प्रयासों से सकारात्मक परिणाम सामने आए थे। कई पीड़ितों ने नशे से दूर होकर सामान्य जीवन की ओर कदम बढ़ाया है। ग्राम पंचायत द्वारा इसी सकारात्मक परिवर्तन के आधार पर टीम को पुनः आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम के उपरांत टीम ने गांव नहला का भी भ्रमण किया, जहां गली-गली व सार्वजनिक स्थलों पर मौजूद लोगों से संवाद स्थापित कर नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया। हालांकि, नशा पीड़ितों की पहचान के लिए स्थानीय सहयोग अपेक्षानुसार नहीं मिल पाया। टीम प्रभारी एएसआई सुंदर ने बताया कि पुलिस विभाग केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सुधार की दिशा में भी निरंतर प्रयासरत है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पीड़ितों को प्रेरित कर उनका जीवन पुनः सामान्य पर लाना ही पुलिस का लक्ष्य है। फतेहाबाद पुलिस आमजन से अपील करती है कि वे नशा मुक्ति अभियान में सहयोग कर एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

गली में गाड़ी खड़ी करने को लेकर विवाद, जमकर चले थप्पड़-मुक्के

फतेहाबाद। शहर के शास्त्री नगर के पास दो पक्षों में गली में गाड़ी खड़ी करने को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि पड़ोसी परिवार ने मिलकर मां-बेटे के साथ मारपीट कर डाली। महिला व उसके बेटे को पहले थप्पड़-मुक्कों से पीटा गया। बाद में उन पर ईंटें भी बरसाई गई। दोनों ही परिवार कबाड़ी का काम करते हैं। घटना शनिवार सुबह की है। इस झगड़ा में एक पक्ष के मनीषा पत्नी हैप्पी, सुमित पुत्र तिलक राज, रजनी पत्नी तिलक राज व दूसरे पक्ष के सोनू पुत्र जितेंद्र कुमार, जितेंद्र पुत्र अमरुद्द राम व ममता पत्नी अजय कुमार को चोटें लगी। जिनको इलाज हेतु नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में दाखिल करवाया गया है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। शास्त्री नगर के पास रहने वाले सुमित कुमार ने बताया कि वह कबाड़ खरीद्दने का काम करते हैं। उनकी गली में कभी उनकी तो कभी पड़ोसी की कबाड़ की गाड़ी खड़ी रहती है। गली छोटी है। इसलिए गाड़ी खड़ी होने पर आवाजाही में दिक्कत होती है। इसी बात को लेकर पहले भी कई बार पड़ोसी परिवार कहासुनी कर चुका है। अब पहले शुक्रवार शाम को भी कहासुनी हुई। फिर शनिवार सुबह उठते ही फिर से विवाद करने लगे। इसी बीच पड़ोसी परिवार के तीन भाईयों और उनके पिता ने उनके साथ मारपीट की। फिर ईंटें भी बरसाई। एक ईंट उसकी मां रजनी के सिर के पास भी लगी। शोर शराबा सुनकर आसपास के काफी लोग एकत्रित हो गए।

- घायलों को नागरिक अस्पताल में करवाया भर्ती

भट्टूकलां। विजेता छात्र को सम्मानित करते स्कूल प्रबंधक।

स्टेट चैम्पियनशिप में किया शानदार प्रदर्शन

पीडी मेमोरियल स्कूल के छात्र अशोक ने जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

गांव खाबड़ा कलां स्थित पीडी मेमोरियल स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्र अशोक बेनीवाल ने 10 मीटर एयर राइफल स्टेट चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया है। इस चैम्पियनशिप का आयोजन नई दिल्ली में किया गया था। विजेता छात्र का आज स्कूल में पहुंचने पर स्वागत किया गया। विजेता छात्र को सम्मानित करते हुए प्रधानाचार्या अनिता गिजरोईया व डायरेक्टर साधुराम जाखड़ ने खेलों द्वारा स्वास्थ्य और शरीर की तंदुरुस्ती को बनाए रखने के साथ ही खेलों में एक बेहतर भविष्य का निर्माण भी कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पीडी मैमोरियल स्कूल क्षेत्र का एकमात्र ऐसा स्कूल है जो बच्चों का पूर्णतयाः सर्वांगीण विकास कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होने के साथ-साथ अब खेलों में भी अपना परचम नेशनल स्तर पर लहरा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में खेल सफलता और नौकरी पाने का बहुत ही अच्छा तरीका है। यह नियमित रुप से मनोरंजन और शारीरिक गतिविधियों को प्राप्त करने का अच्छा साधन है।

शिक्षा के साथ खेलों में भी रूचि दिखाने का आह्वान

उन्होंने छात्र व छात्राओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अपनी रूचि दिखाएं और अपने गांव व शहर का नाम रोशन करें। उन्होंने छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए क्षेत्र के सभी लोगों को विश्वास दिलाया कि हम भविष्य में भी बच्चों को इससे बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध करवाएंगे।

अधिक पेड़-पौधे लगाने का किया आह्वान

भाजपा पर्यावरण प्रकोष्ठ ने हुडा सेक्टर 3 में लगाए फलदार पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। हुडा सैक्टर में पौधरोपण करते भाजपाई। *फोटो : हरिभूमि*

भाजपा पर्यावरण प्रकोष्ठ के प्रयासों से श्रावण मास एवं बरसाती मौसम के मद्देजनर पौधा रोपण अभियान जोरों पर है। इसी कड़ी में आज फतेहाबाद के हुडा सैक्टर 3 स्थित सुभाष पार्क में जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा के नेतृत्व में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पौधा रोपण अभियान चलाया। इस अवसर पर अनेक फलदार व छायादार पौधे लगाए। आज के पौधा रोपण अभियान की अध्यक्षता भाजपा पर्यावरण प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुभाष चंदौरा ने की। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण प्रेमी सुभाष चंदौरा लम्बे समय से पौधा रोपण अभियान से जुड़े हैं। नर्सरी जाकर स्वयं पौधे लाने से लेकर पौधा रोपण तक के कार्यों को पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं। एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने सुभाष चंदौरा व उनकी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना बहुत जरूरी है। पेड़ पौधों की कमी के कारण वातारण का संतुलन बिगड़ जाता है। बरसाती मौसम पेड़ पौधे लगाने के लिए सबसे अच्छा है, इसलिए आमजन को भी आगे आकर पौधे लगाने चाहिए। इस अवसर पर सुभाष चंदौरा ने भी आह्वान किया कि नागरिक अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाएं तथा उनकी देखभाल का संकल्प भी लें। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, राधेश्याम झाझड़ा, रामकुमार मेहरा, बनवारी लाल गहलोत, नीलांशी शर्मा, राजेश मुटीयार, दलीप सचदेवा, परवीन सुथार, आत्मप्रकाश टुटेजा, नवीश सचदेवा, प्रवीण सुथार उपस्थित रहे।

लूट के मामले ने नाबालिग को जांच में किया शामिल

फतेहाबाद। थाना सदर रतिया पुलिस ने लूट के एक मामले में एक नाबालिग आरोपी को चिन्हित कर उसे उसके वारसान के सामने जांच में शामिल किया। इससे पूर्व इस मामले में एक अन्य आरोपी प्रगट सिंह उर्फ काका पुत्र गुरतेज सिंह, निवासी शिमलापुरी कॉलोनी, रतिया को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना सदर रतिया प्रभारी उप-निरीक्षक राजबीर सिंह ने बताया कि यह मामला 21 जून को पवन कुमार पुत्र रामस्वरूप निवासी गांव भिरड़ाना की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता महावीर एंटरप्राइजेज, माजरा में कार्यरत है और घटना के दिन माजरा से बोहा की ओर जा रहा था। जब वह भाखड़ा नहर पुल, ब्राह्मणवाला के पास पहुंचा, तो तीन युवक एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट, टूटा हुआ मडगार्ड पर पहले से मौजूद थे। उन्होंने शिकायतकर्ता को रोककर उससे 8800 नकद, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पैन कार्ड और एटीएम कार्ड लूट लिए और मौके से फरार हो गए। शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस द्वारा तत्परता से मामला दर्ज कर जांच आरंभ की गई। तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर पहले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, तथा जांच को आगे बढ़ाते हुए अब एक नाबालिग को भी जांच में शामिल किया गया है। मामले की गहन जांच जारी है तथा अन्य संभावित आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी हेतु प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं।

एक पेड़ मां के नाम : एनएस स्वयंसेवकों ने मेहूवाला में चलाया जागरूकता अभियान

- विद्यार्थियों ने आत्म परिचय, एनएसएस का इतिहास व वर्तमान तथा माइभारत पोर्टल के बारे में जानकारी की प्राप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। मेहूवाला में आयोजित एनएसएस कैम्प में भाग लेते स्वयंसेवक।

शहीद नरेंद्र सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेहूवाला में राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में भारत सरकार द्वारा चलाई गई मुहिम 'एक पेड़ मां के नाम' तथा 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के बारे में गतिविधियां आयोजित की गई। आंगनवाड़ी सुपरवाइजर ज्योति व सदस्य कृष्णा सविता, नीलम केसर ने शिविर की शुरुआत की। ज्योति ने बताया कि एनएसएस स्वयंसेवक सरकार की योजनाओं को अच्छी तरह से जन-जन तक पहुंचाने का काम करते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से स्वास्थ्य अधिकारी अशोक, प्रमोद, आशा वर्कर्स सीता, शीतल, रिंपू ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मुहिम के अंतर्गत जन जागरूकता रैली में भागीदारी की। इस अवसर पर एसएमसी सदस्य राजेंद्र सिहाग, संस्कृत प्रवक्ता सुधीर, हिंदी प्रवक्ता सुभाष तथा जिला एनएसएस संयोजक रोहतास कड़वासरा मौजूद रहे। इस शिविर में विद्यार्थियों ने आत्म परिचय, एनएसएस का इतिहास व वर्तमान तथा माइभारत पोर्टल के बारे में जानकारी प्राप्त की। स्वयंसेवकों ने नारा लेखन, पोस्टर मेकिंग, भाषण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस शिविर में स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना की डायरी वितरित की गई तथा इसमें जानकारी दर्ज करने के बारे में बताया गया। जिला एनएसएस संयोजक रोहताश कड़वासरा ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों में हरियाणा पूरे देश में नंबर वन है।

गांव कैमरी और आर्य नगर को महाग्राम योजना में किया शामिल

हिसार। प्रदेश सरकार ने जिले के गांव कैमरी और आर्य नगर को महाग्राम योजना में शामिल करने की मंजूरी प्रदान कर दी है। कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दोनों गांवों को महाग्राम योजना में शामिल करने की घोषणा की थी। सरकार की मंजूरी के बाद अब इन गांव में शहरों की तर्ज पर सभी सुविधाएं दी जाएंगी। यहां पब्लिक पार्क, स्ट्रीट लाइट, सिटी बस सर्विस कनेक्टिविटी, पेयजल व सीवरेज कनेक्शन, ट्रीटमेंट प्लांट, (एसटीपी) सड़क, ड्रेनेज सिस्टम जैसे कार्यों को त्वरित गति से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने महाग्राम योजना आरंभ की थी। अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'महाग्राम' योजना पर तेज गति से कार्य आरंभ कर दिया है। 10 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों को शहरों की तर्ज पर सुविधाएं देने की इस योजना को चरणबद्ध तरीके से सिरे चढ़ाने की विस्तृत रूप रेखा तैयार कर ली गई है।

विभिन्न धाराओं के तहत जांच जारी

टोहाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में वाहन चोरी के आरोपी।

जिले में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत टोहाना पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने नागरिक अस्पताल टोहाना के बाहर से बाइक चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान काला राम पुत्र पला राम एवं मणिराम पुत्र चरण राम निवासी टिब्बी हरि सिंह, तहसील सरदूलगढ़, जिला मानसा, पंजाब के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह ने बताया कि यह मामला 6 मई को कपिल पुत्र गुलाब सिंह निवासी रविदास मोहल्ला, टोहाना की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने अपनी बाइक नागरिक अस्पताल टोहाना के बाहर खड़ी की थी, जो कुछ समय बाद वहां से गायब हो गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच अधिकारी ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और अन्य महत्वपूर्ण सुरागों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया है। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है।

स्टाफ ने जलपान और मोमेंटो किया प्रदान

अध्यापक नेता देसराज माचरा का हुआ प्रमोशन, किया सम्मानित

भट्टूकलां। प्रमोशन पर देसराज माचरा को सम्मानित करते स्टाफ सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

गांव सूलीखेड़ा स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत सामाजिक अध्ययन अध्यापक एवं हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के नेता देसराज माचरा का प्रमोशन पीजीटी इतिहास के पद पर हो गया है। इनको सूलीखेड़ा स्कूल से कार्यभार मुक्त किया गया। इन्होंने अब राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जोधकां में कार्य ग्रहण कर लिया है। उनके प्रमोशन होने पर विद्यालय स्टाफ ने जलपान व मोमेंटो देकर उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया। इस मौके पर स्कूल मुखिया जयदेव भारद्वाज, कृष्ण कुमार पीटीआई, संजय खीचड़, अनिल कुमार, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण चंद्र जाखड़, सतबीर डीपीई, सुरेंद्र सिंह पीटीआई, महेंद्र सिंह शास्त्री, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के भट्टूकलां खंड के कोषाध्यक्ष जयबीर लौंयल, हनुमान रिवाड, सुरेंद्र सिंह, शीशपाल सिंह माचरा,जयपाल, सतपाल व जोधकां स्कूल का स्टाफ उपस्थित रहा।

छात्रा अनिशा ने जिला स्तरीय खेल महाकुंभ में जीता स्वर्ण पदक

बरवाला। जिला स्तरीय खेल महाकुंभ ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन महावीर स्टेडियम में हुआ। इस प्रतियोगिता में जीनियस हाई स्कूल, गांव खेड़ी बरकी की दसवीं कक्षा की होनहार छात्रा अनिशा पुत्री बलवान सिंह ने 73 किलो भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अनिशा की इस उपलब्धि ने न केवल उनके स्कूल, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। स्कूल में पहुंचने पर अनिशा का जोरदार स्वागत किया गया और बधाई दी गई। अनिशा अब 15 से 17 जुलाई तक फरीदाबाद में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ प्रतियोगिता में हिसार जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनकी इस उपलब्धि पर जीनियस हाई स्कूल के मुख्याध्यापक नरेन्द्र सिंह सेठी और समस्त स्कूल स्टाफ ने अनिशा को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अनिशा की मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चर्चा जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और यूनियन प्रतिनिधिमंडल में हुई बातचीत

कर्मचारियों की लंबित मांगों के जल्द समाधान की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। मांगों को लेकर अधिकारियों से बातचीत करते यूनियन का प्रतिनिधिमंडल। फोटो : हरिभूमि

कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्करज यूनियन फतेहाबाद के प्रतिनिधिमंडल और अधिकारियों के बीच कार्यकारी अभियंता कार्यालय में विस्तार से बातचीत हुई। यूनियन का प्रतिनिधिमंडल ब्रांच प्रधान धर्मपाल दरियापुर की अध्यक्षता में बैठक में पहुंचा वहीं विभाग के डिप्टी सुपरीडेंट मुकेश कुमार, उपमंडल अभियंता नं. 2 भागीराम वर्मा व उपमंडल अभियंता नं. 3 सतपाल रोज मौजूद रहे। बातचीत में यूनियन प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों की लंबित मांगों को विस्तार से अधिकारियों के समक्ष रखा और उनका जल्द समाधान करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में ब्रांच प्रधान धर्मपाल दरियापुर के साथ ब्रांच सचिव राणा पंवार, वरिष्ठ उपप्रधान बलजिन्द्र सिंह, चेयरमैन ईश्वर बागड़ी, कोषाध्यक्ष महावीर, सहकोषाध्यक्ष संजीव, उपप्रधान जोगिन्द्र सिंह, मुख्य सलाहाकार हरपाल, ऑडिटर राजू, प्रैस सचिव संजय, मुकेश व सुभाष आदि शामिल रहे।

प्रमुख मांगें

यूनियन प्रतिनिधिमंडल ने फील्ड कर्मचारियों की बकाया साबुन, सब डिवीजन नं. 2 व 3 की रेन कोट व डांगरी की पैमेंट, हरियाणा कौशल रोजगार निगम के कर्मचारियों का अनुभव, शूज व डांगरी का आर्डर करना, उपमंडल नं. 2 की 2020, 2021 व 2022 साल की बकाया ठेकेदार की सैलरी देना, साइटों पर पर्याप्त सामान उपलब्ध करवाना, सभी जलघरों पम्प चैम्बरों पर लाइट, पंखे की व्यवस्था करना, टर्म अप्वाइंटमेंट कर्मचारियों की सैलरी का भुगतान 7 तारीख तक करना, सभी पम्प चैम्बरों की मोटर स्टार्टरों का काम करवाना सहित अनेक मांगों को विस्तार से रखा। अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की जायज सभी मांगों का जल्द समाधान किया जाएगा।

बसपा की संगठनात्मक समीक्षा बैठक आयोजित

हिसार। बहुजन समाज पार्टी द्वारा जोन वाइज संगठनात्मक समीक्षा बैठकों की श्रृंखला के अंतर्गत जोन नंबर-3 की बैठक यादव धर्मशाला में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्यतिथि के रूप में बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल, वशिष्ठ अतिथि केंद्रीय राज्य प्रभारी प्रताप सिंह पहुंचे और अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण जमालपुर ने की। इस बैठक में सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, चरखी दादरी, जींद और हिसार जिलों के सांगठनिक ढांचे की समीक्षा की गई। मुख्य वक्ता रणधीर बेनीवाल ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी अब हरियाणा में यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के विजन को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए पूरी ताकत से काम करेगी।

श्रद्धालुओं पर हमले की कड़े शब्दों में की निंदा

- खाटू श्याम में दर्शन करने आए श्रद्धालुओं पर दुकानदारों ने लाठी डंडों से किया हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

धर्मनगरी खाटू श्याम में श्री खाटू श्याम जी के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं पर कुछ दुकानदारों द्वारा डंडों से हमला कर मार पिटाई कर देने को लेकर श्री खाटू श्याम जी के भक्तों में रोष पाया जा रहा है। आज रतिया में श्री खाटू श्याम के भगत हरवीर सोनी, श्रवण स्वामी, सतपाल गर्ग, बलविंदर गर्ग आदि ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की हरकत करने से धार्मिक स्थल पर जाने वाले लोगों में भारी रोष पाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्री खाटू श्याम में पूरे भारतवर्ष से लोग दर्शन करने के लिए दूर-दूर से आते हैं और अगर बरसात के समय कुछ श्रद्धालु दुकानों के आगे खड़े हो गए तो से दुकानदारों को कोई फर्क नहीं पड़ता था लेकिन जिस तरह से दुकानदारों ने श्रद्धालुओं के साथ-साथ महिलाओं की डंडों से पिटाई की, वह काफी शर्मनाक हरकत है इसलिए पुलिस प्रशासन को सचेत रहते हुए हमला करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

खबर संक्षेप

आवरा कुत्तों ने आंतक से शहरवासी परेशानः बंसल

सिरसा। अग्रवाल सभा सिरसा के महासचिव अश्वनी बंसल ने शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर गहरी चिंता जताई है। अश्वनी ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि कुत्तों के हमला करने व काटने की अनेक घटनाएं शहर में रोजाना हो रही है, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन इस दिशा में संज्ञान नहीं ले रहा। उन्होंने कहा कि कुत्तों के आतंक के कारण लोगों खासकर बच्चों का घरों से निकलना दूभर हो गया है। उन्होंने कहा कि कई बार तो बच्चों की जान पर भी बन आती है। बंसल ने कहा कि गलियों में घूमने वाले कुत्तों की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है। नगरपरिषद के अध्यक्ष वीर शांति स्वरूप ने अध्यक्ष बनते ही कहा था कि वो आवारा कुत्तों के लिए शैल्टर बनाएंगे, लेकिन अभी तक कुछ नहीं किया गया है। शासन-प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

बीएलआईएस की प्रेक्टिकल परीक्षाएं जारी

सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. नवीन कुमार ने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं ने जून-2025 के लिए बी.एल.आई.एस. की प्रेक्टिकल परीक्षा की फीस भरी थी, उनकी प्रेक्टिकल की परीक्षाएं जारी हैं। उन्होंने बताया कि पूरे हरियाणा के लाइब्रेरी साइंस के छात्राओं की प्रेक्टिकल परीक्षा सिरसा में दो सेंटर में आयोजित करवाई जा रही हैं। जिन विद्यार्थियों ने स्टडी सेंटर 1002 से 1049 में एडमिशन लिया हुआ है उनकी प्रेक्टिकल परीक्षा इग्नू स्टडी सेंटर 1014, राजकीय नेशनल महाविद्यालय, सिरसा में हो रही है।

प्रशासन से मिलेगा व्यापार मंडल

सिरसा। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल की सिरसा इकाई की एक बैठक शनिवार को हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष हीरा लाल शर्मा व प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद बियानी ने कहा कि शहरवासी पिछले काफी दिनों से यातायात की समस्या से परेशान है, जिसका सबसे बड़ा कारण है पाइप लाइन कार्य, जिससे धूल मिट्टी व अव्यवस्था के कारण बाजारों में ग्राहक न पहुंचने से काम ठप हो गया है। आमजन की समस्या को देखते हुए आगामी दिनों में प्रशासन से संपर्क करके आमजन की यातायात संबंधी परेशानियों को सुलझाने पर जोर दिया जाएगा।

डॉ. सुनील कुमार को अतिरिक्त कार्यभार

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के एसोसिएट प्रो. सुनील कुमार को उनकी वर्तमान जिम्मेदारियों के अतिरिक्त, कुलपति के तकनीकी सलाहकार का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। डॉ. सुनील कुमार ने कुलपति का धन्यवाद किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. सुनील कुमार ने बीबीए, एमबीए एवं बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। उनका शोध क्षेत्र विपणन प्रबंधन एवं मानव संसाधन प्रबंधन है। उनके पास लगभग 12 वर्षों का शिक्षण अनुभव है। उन्होंने 25 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं में भागीदारी की है तथा शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। उनके राष्ट्रीय व अंतरर्राष्ट्रीय जर्नल्स भी प्रकाशित हो चुके है।

पेयजल व सीवरेज समस्या को लेकर बिफरे वार्डवासी

महिलाओं ने जनस्वास्थ्य विभाग में धरना देकर की नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यालय में धरना देते वार्डवासी।

शहर के वार्ड नंबर दो क्षेत्र में ओवरफ्लो सीवरेज व पेयजल की समस्या को लेकर शनिवार को वार्डवासियों ने पब्लिक हेल्थ कार्यालय में धरना-प्रदर्शन किया। वार्डवासियों ने अधिकारियों को खूब सुनी और आरोप लगाया कि अधिकारी बार-बार शिकायत करने के बावजूद कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं और जनता त्राहिमाम है। धरना का नेतृत्व वार्ड पार्षद चंचल रानी एडवोकेट ने किया। मौके पर अधिकारी पहुंचे और धरना दे रहे वार्डवासियों को आश्वासन देकर धरना समाप्त करवाया।

वार्ड पार्षद चंचल रानी ने बताया कि वार्ड में पीने के पानी का संकट है। विभागीय अधिकारी कोई गौर नहीं कर रहें। अनेक बार लिखित में शिकायत कर चुके। बताया कि पानी की आपूर्ति का कोई समय नहीं है। महिलाएं रात-रात जागकर पानी का इंतजार करती है।

उनके वार्ड में ट्यूबवेल से जलापूर्ति की जाती है, जोकि पीने योग्य नहीं है। सीवरेज ओवरफ्लो होकर सडक़ों पर बह रहे हैं, जिससे वार्डवासी परेशान हैं। वार्ड नंबर दो के साथ लगते वार्ड नंबर एक में भी सीवरेज व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। लोगों का घरों से बाहर आना भी दुभर हो गया है। सीवरेज जाम होने से घरों में दूषित पेयजल पहुंच रहा है, जिससे वार्डवासियों में बीमारियां फैलाने का भय बना हुआ है। धरना- प्रदर्शन में वार्ड की सैकड़ों लोगों ने भाग लिया, जिनमें महिलाओं की संख्या ज्यादा रही। वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही उनकी समस्या का हल नहीं हुआ तो विभाग के कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा।

ईगल आई शूटिंग रेंज की सुमन टंडन ने कांस्य पदक जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में बीती 1 से 10 जुलाई तक आयोजित हरियाणा राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में ईगल आई शूटिंग रेंज के शूटरों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री नेशनल के लिए क्वालीफाई कर अकादमी व जिले का नाम रोशन किया। अकादमी के संचालक जगमिंद्र सिंह ने बताया कि कोच गुरविंद्र सिंह के मार्गदर्शन में इस प्रतियोगिता में ईगल आई शूटिंग रेंज के शूटर सुमन टंडन ने कांस्य पदक, जबकि जतिन, अनमोल, आमीश टंडन, वाहिश, पंकज, हिमांशु, प्रिंस, लक्ष्य, जितमन्यू, मनीष, अन्नया, मेक्सिम साईं ने प्रतिभागिता की और अपने सटीक निशाने से शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी ने प्री नेशनल के लिए क्वालिफाई कर अकेडमी व जिले का नाम रोशन किया। संचालक जगमिंद्र सिंह ने कोच गुरविंद्र सिंह व समस्त शूटरों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई व विष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्री नेशनल में भी सभी शूटर अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

लायंस क्लब सिरसा लोक्षित ने घोषित की कार्यकारिणी

सिरसा। लायंस क्लब सिरसा लोक्षित की शनिवार को बैठक हुई, जिसमें कार्यकारिणी की घोषणा की गई। क्लब के अध्यक्ष प्रदीप सिंगला ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए मदन नढा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सिकंदर खट्टर व महेंद्र कुमार मेहता को उपाध्यक्ष, बलराम गर्ग को सह सचिव, अरविंद साहनी को सह कोषाध्यक्ष, संदीप आहूजा को पीआरओ, डॉ. आरएस सेठी को टेल टिवस्टर बनाया है। क्लब के सचिव भारत भूषण ऐलावादी ने बताया कि क्लब की ओर से इस वर्ष में अब तक 13 प्रोजेक्ट लगाए जा चुके हैं जिसमें योग शिविर, एनिमिया जांच, स्टेशनरी वितरण, बीपी जांच, शुगर जांच, पौधारोपण, सामान्य चिकित्सा आदि प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में जनपद 321 ए-3 के सभी लक्ष्यों को पूरा करने पर चर्चा हुई। बैठक में सह सचिव बलराम गर्ग ने इस वर्ष मे 21 प्रोजेक्टस, लायन प्रदीप सिंगला ने 5 प्रोजेक्टस लगाने की सहमति दी। बैठक में मनोनीत पार्षद लायन संदीप मेहता की नियुक्ति पर उनको सम्मानित किया गया।

बस और बाइक में टक्कर चालक पर केस दर्ज

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे बाईपास पर रोडवेज बस और मोटरसाइकिल की बीच हुई टक्कर के मामले में शहर फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस हादसे में बाईक सवार दो युवक घायल हो गए थे। पुलिस को दी शिकायत में गांव मोहम्मदपुर रोही निवासी सतबीर सिंह ने कहा है कि वह मोटरसाइकिल मिस्त्री का काम करता है और उसकी गांव में ही दुकान है। गत दिवस वह गांव के ही संजय सिंह के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर फतेहाबाद से सामान लेकर वापस अपने गांव मोहम्मदपुर रोही जा रहा था। जैसे ही वह फतेहाबाद-सिरसा बाईपास पर पहुंचे तो हिसार की तरफ से आ रही हरियाणा रोडवेज सिरसा डिपू की बस के चालक ने बस को लापरवाही व तेजगति से चलाते हुए उसके मोटरसाइकिल में सीधी टक्कर दे मारी। इस हादसे में बाईक सवार सतबीर सिंह व संजय सिंह दोनों घायल हो गए वहीं मोटरसाइकिल को भी काफी नुकसान पहुंचा।

महंत सुंदराईनाथ ने रखी प्रवेशद्वार की नींव

■ प्राचीन श्री शनिधाम में निर्माण कार्य शुरू होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। महंत सुंदराईनाथ श्री शनिधाम मंदिर के प्रवेशद्वार की नींव रखते हुए।

प्राचीन श्री शनिधाम में सावन मास के प्रथम शनिवार डेरा बाबा सरसाईनाथ के महंत सुंदराईनाथ ने मंदिर के प्रवेश द्वार की नींव रखी। इस अवसर पर देवकुमार शर्मा, जोगेंद्र सेतिया, शिवकुमार मंत्री, राजेंद्र रातुसरिया, कृष्ण सिंगला, अमित कुमार, ललित अग्रवाल, विश्वबंधु अग्रवाल, डॉ. राजेंद्र रूहानी, विनोद बंसल, चंद्रमोहन भृगुवंशी, आनंद भार्गव, दीपक भार्गव, सागरमल ढकारी, आशु भार्गव, रोहित भार्गव, राहुल भार्गव, राजन भार्गव, गोकुल सेतिया व अन्य गणमान्यजन मौजूद थे। मंदिर चेरीटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने महंत सुंदराईनाथ का स्वागत किया। महंत सुंदराईनाथ ने मंदिर में विधि विधान से पूजा की कन्या के हाथों से मंदिर के प्रवेशद्वार की आधारशिला की पहली ईंट रखवाई। पंडित शुक्ला ने विधिविधानपूर्वक मंत्रोच्चारण कर भूमि पूजन करवाया। महंत सुंदराईनाथ ने कहा कि भगवान शनिदेव नवग्रहों में सर्वोपरि हैं, न्यायदाता है। भगवान शिव ने इन्हें जीवों के अच्छे बुरे कर्मों के अनुसार फल देने का दायित्व दिया है।

उन्होंने कहा कि सिरसा धर्मनगरी है और यहां पर संतों महात्माओं की विशेष कृपा रही है। प्राचीन शनिधाम नगर के मुख्य मंदिरों में से एक है और जीणोद्धार के बाद भव्य रूप ले चुका है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रिटायर्ड कर्मचारी 15 को जिला मुख्यालय पर करेंगे प्रदर्शन

डबवाली। रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक शनिवार को गुरु गोबिंद सिंह खेल स्टेडियम में प्रधान सुखवंत चीमा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बड़ी संख्या में रिटायर्ड कर्मचारी उपस्थित हुए। बैठक में रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में प्रस्ताव पारित कर रिटायर्ड कर्मचारियों ने निर्णय लिया कि 15 जुलाई को उपायुक्त कार्यालय के बाहर किए जा रहे धरना प्रदर्शन में डबवाली से भी रिटायर्ड कर्मचारी भाग लेने सिरसा जाएंगे। सुखवंत सिंह चीमा ने कहा कि सरकार द्वारा कर्मचारियों की मांगों को लंबे समय से अनदेखा किया जा रहा है इसलिए धरना प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर रिटायर्ड कर्मचारी अपनी आवाज बुलंद करेंगे। मांगों पर बोलते हुए सुखवंत सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संसद में पास किया गया नया वित्त विधेयक-2025 सेवानिवृत कर्मचारियों को वेतन संशोधन के लाभ से वंचित करता है। यह सेवानिवृत कर्मचारियों के साथ अन्याय है। उन्होंने मांग की कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की तरह 65, 70, 75 वर्ष की आयु पार करने पर क्रमशः पेंशन में 10, 15, 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी लागू करे ताकि रिटायर्ड कर्मचारी अच्छा जीवन गुजार सकें। पेंशन की आय को टैक्स मुक्त किया जाए। आज के जमाने में जैसे मेडिकल सुविधा बहुत महंगी हो गई है इसलिए मेडिकल भत्ता 3000 रुपए किया जाए।

युवती बरामद, पहचान बदलकर युवक के साथ रिलेशनशिप में रह रही थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

■ ढाणी गोपाल से तीन माह पहले लातपता हुई थी लड़की

भूना के एक गांव ढाणी गोपाल से तीन माह पूर्व लापता हुई युवती को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस द्वारा युवती को उसके परिवार को सौंपा गया है। इस कार्यवाही से परिजनों के चेहरों पर राहत और प्रसन्नता देखने को मिली। बता दें कि थाना भूना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव ढाणी गोपाल से अप्रैल माह में युवती कोमल की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए थाना पुलिस द्वारा एक विशेष टीम का गठन कर लगातार प्रयास किए गए। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक ओम प्रकाश ने बताया कि कोमल बिना किसी को बताए घर से चली गई थी और उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था। तकनीकी विश्लेषण, साइबर ट्रेसिंग और मुखबिर तंत्र की सहायता से पता चला कि वह गांव बीघड़ निवासी युवक योगेश के साथ रिलेशनशिप में थी। दोनों ने अपनी पहचान छुपाकर गांव ढिगसरा में किराए के मकान में रहना शुरू कर दिया था। सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए युवती को सकुशल बरामद किया। नियमानुसार उसे न्यायालय में प्रस्तुत कर उसके बयान दर्ज कराए जाएंगे। थाना भूना पुलिस की इस त्वरित व मानवीय संवेदनाओं से युक्त कार्रवाई से आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है।

एआई को समझना समय की जरूरतः प्रो. शर्मा

■ जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डिंग में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डिग

सिरसा। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) डिंग में जिले के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत नव पदोन्नत प्रधानाचार्यों हेतु परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे दिन चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के मानविकी संकाय के डीनए सामुदायिक संपर्क और कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के निदेशक और अंग्रेजी भाषा एवं विदेशी भाषाएं विभाग के अध्यक्ष प्रो. पंकज शर्मा ने बतौर मुख्य वक्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिरकत की। प्रो. पंकज शर्मा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर बड़े ही रोचक ढंग से अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस व्यक्तिगत और अनुकूली शिक्षण अनुभव प्रदान करके शिक्षा में क्रांति लाने का कार्य करती है। भविष्य में शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया को रोचक एवं प्रभावी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को समझना बहुत जरूरी है। वहीं दूसरे सत्र में पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट के अतिरिक्त महाधिवक्ता एडवोकेट अमित सांगवान ने पॉक्सो विषय पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए बताया कि पॉक्सो एक्ट के माध्यम से अभिभावकों में यौन शोषण और उत्पीडऩ के बारे में जागरूकता फैलाकर विद्यार्थियों को सुरक्षित माहौल में शिक्षा प्रदान की जा सकती है। वहीं सांध्यकालीन सत्र में राजकीय कन्या महाविद्यालय, सिरसा के कम्प्यूटर विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार ने साइबर सेफ्टी विषय पर विस्तृत ढंग से अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस मौके पर डाइट प्रवक्ता,

डीएवी पुलिस स्कूल में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। डीएवी पुलिस स्कूल में विद्यार्थियों की आंखों की जांच करते विशेषज्ञ।

पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल द्वारा हाल ही में अपने छात्रों के लिए एक व्यापक नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य छात्रों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और किसी भी संभावित दृष्टि संबंधी समस्या का पता लगाना था। मॉडल टाऊन स्थित आई क्यू अस्पताल से डॉ. सतीश धींगड़ा के नेतृत्व में अनुभवी नेत्र रोग विशेषज्ञों और ऑप्टोमेट्रिस्ट की एक टीम ने स्कूल का दौरा किया और छात्रों की आँखों की गहन जाँच की और उन्हें आंखों की देखभाल को लेकर आवश्यक टिप्स भी दिए। इस शिविर ने छात्रों को अपनी आँखों की जाँच करवाने और नेत्र देखभाल पर विशेषज्ञ सलाह प्राप्त करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया। विद्यालय प्रधानाचार्या श्रीमती अमिता सिंह ने कहा कि आंखें हमारे शरीर का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग हैं, जो हमें दुनिया को देखने और समझने में मदद करती हैं। इसलिए, आंखों की देखभाल करना बहुत जरूरी है।

बच्चों में मोबाइल की बढ़ती लत का उनकी आंखों पर बुरा असर पड़ता है इसलिए बच्चों को मोबाइल का कम से कम प्रयोग करने देना चाहिए और उन्हें आउटडोर गतिविधियों, खेल और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। समय-समय पर बच्चों की आंखों की जांच अवश्य करवानी चाहिए। इसके लिए विद्यालय में भी समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कैम्प आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विद्यालय पहुंची नेत्र रोग विशेषज्ञों की टीम का भी धन्यवाद किया।

बाइक सवार को टक्कर मारने के आरोप में कार चालक काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

तेज रफ्तार व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने के कारण हुए एक सडक़ हादसे के मामले में थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कृष्ण कुमार पुत्र विजय सिंह, निवासी वार्ड नंबर 14, एसएएस नगर, पंजाब के रूप में हुई है। थाना शहर प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्रा ने बताया कि यह मामला मंदीप सिंह पुत्र मलकीत सिंह निवासी गांव कवलगढ़, थाना रतिया, जिला फतेहाबाद की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका भाई कर्ण सिंह, अपने मामा के गांव माजरा से घर लौट रहा था। जब वह हिसार-सिरसा बाईपास स्थित भूना पुल के समीप पहुंचा, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में कर्ण सिंह को सिर व पैर में गंभीर चोटें आई। उसे तत्काल फतेहाबाद के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार हेतु भर्ती कराया गया, जहां से स्थिति गंभीर देखते हुए उसे एमएएमसी अग्रोहा व तत्पश्चात सुखदा अस्पताल, हिसार रेफर किया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

घटते लिंगानुपात पर गांव अयालकी में निकाली गई जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव अयालकी में जागरूकता रैली निकालती आशा वर्कर व एएनएम।

गांव अयालकी में उपायुक्त मनदीप कौर के दिशा निर्देश अनुसार महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर खुशी के नेतृत्व में घटते लिंगानुपात को बढ़ाने व कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए एक जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली में विभाग की वर्कर, हेल्थ डिपार्टमेंट से आशा वर्कर व ए एन एम शामिल रही। रैली में सरकारी स्कूल की लड़कियों के माध्यम से जन जन, गली मोहल्ले में यह जागरूकता फैलाई गई कि लिंग जांच करवाने व कन्या भ्रूण हत्या करवाने वाले पर सरकार द्वारा कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उपस्थित जनों को यह संकल्प दिलाया गया कि बेटा बेटी में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं करेंगे व बेटियों को पढ़ाएंगे और उन्हें कामयाब बनाएंगे। बेटियां अनमोल हीरे के समान होती हैं। एक बेटी पढ़ लिख कर दो घरों को नाम रोशन करती हैं। रैली निकालते समय कई नारे लगाए गए जैसे कि अलख जगाओ, बेटी बचाओ। लिंग जांच करवाओगे तो जेल की हवा खाओगे। महिलाओं ने पोस्टरों के माध्यम से संदेश दिया।

सीनियर सिटीजन होम पहुंची युवा अरोड़वंश सोसायटी की टीम

पौधरोपण कर समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

रतिया। सीनियर सिटीजन के साथ पौधारोपण करते युवा अरोडवंश सोसायटी सदस्य।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर युवा अरोड़वंश वेलफेयर सोसायटी द्वारा अध्यक्ष डॉ. पीयूष अरोड़ा के नेतृत्व में चल रही मुहीम के तहत अब क्षेत्र की संस्थाओं से डोर टू डोर अभियान की शुरुआत की गई। आज सोसायटी की टीम संस्था से तालमेल बनाते हुए सीनियर सिटीजन होम में पहुंची। कोआर्डिनेटर हैप्पी सिंह सेठी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर युवा अरोड़वंश वेलफेयर सोसायटी द्वारा अब शहर की संस्थाओं से डोर टू डोर अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम को और आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया है। इस दौरान शहर की समाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थानों से सहयोग लेकर पौधारोपण संरक्षण को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज सुबह शहर के सीनियर सिटीजन होम में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया ताकि हरे भरे वातावरण को बढ़ावा मिले। कार्यक्रम के दौरान सीनियर सिटीजन होम के अध्यक्ष बिकर सिंह द्वारा संस्था की गतिविधियों के बारे में जहां युवा अरोड़वंश वेलफेयर सोसायटी सदस्य को जानकारी दी और वहीं पौधारोपण कार्यक्रम की चल रही मुहीम की सराहना करते हुए सभी सदस्यों ने सहयोग करने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर महावीर ग्रोवर, मोहन चिलाना, हैप्पी सिंह सेठी, गुलशन मोंगा, मुनीश कक्कड़, सुरेश सेठी, करण चिलाना, सीनियर सिटीजन वेलफेयर ट्रस्ट के प्रधान मौजूद रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक , रविवार 13 जुलाई 2025

एआई अब केवल विशिष्ट ही नहीं लगभग हर क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। लेकिन इसके पॉजिटिव के बजाय मिसयूज होने की आशंका से पूरी दुनिया के लोग चिंतित हैं। यही वजह है कि एआई यूज करने को लेकर कुछ ग्लोबल रूल्स-रेग्यूलेशंस डिसाइड करने के उद्देश्य से जापान में सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और चुनौतियों पर एक नजर।

अब जल्द डिसाइड होंगे एआई यूज करने के रूल्स

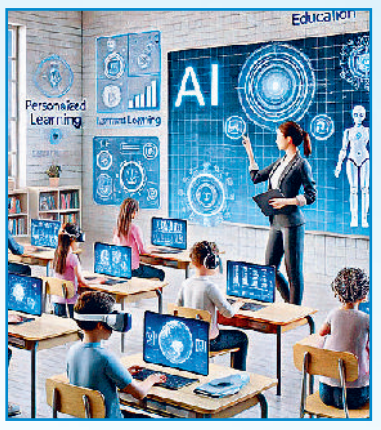

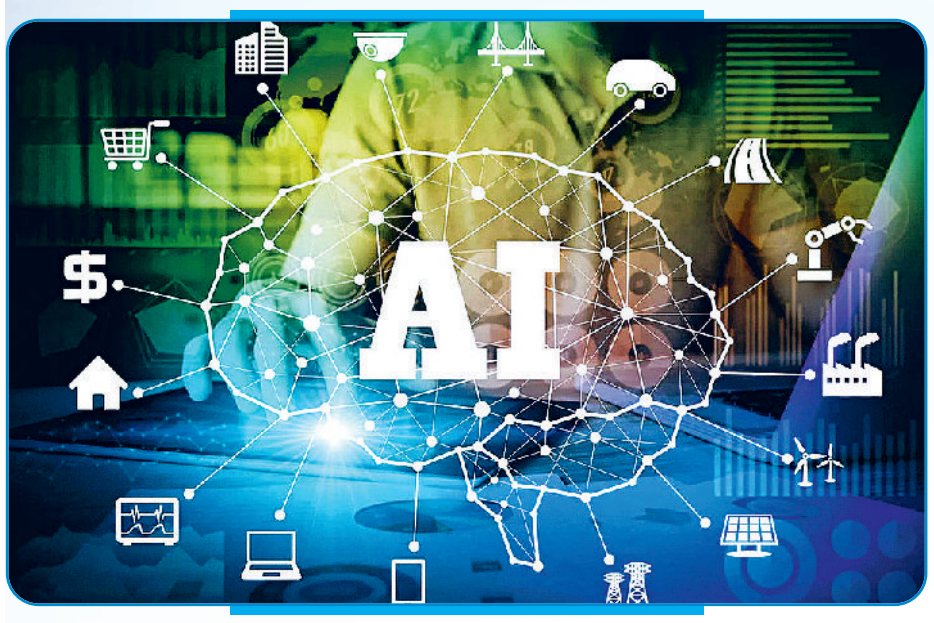

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

आगामी 27 से 29 जुलाई 2025 तक टोक्यो (जापान) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर तीन दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में मानव समाज के लिए एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय होगी।

पहले भी होते रहे हैं प्रयास

साल 2010 से ही पश्चिमी दुनिया में एआई के मानव जीवन में इस्तेमाल को लेकर जबर्दस्त नैतिक दुविधा का वातावरण रहा है। इसलिए सन 2010 में दुनिया भर की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन और शोध संस्थान मानव केंद्रित एआई के इस्तेमाल के बीच सिद्धांतों की दिशा तय करने के लिए लगातार विचार और विमर्श की एक श्रंखला प्रसारित करते रहे हैं। साल 2010 से शुरू हुए इस व्यापक विचार-विमर्श ने 2021 में यूरोपीय आयोग के उस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्ट का मसौदा प्रकाशित करने तक के सफर को पूरा किया, जहां से यह तय होना शुरू हुआ कि अंततः एआई को मानव समाज के लिए वर्गीकृत कर लिया जाए और इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को अलग-अलग दायित्वों के साथ जोड़ा जाए। अमेरिका में 2022 का एल्गोरिद्म जवाबदेही अधिनियम, फरवरी 2022 में कांग्रेस के दोनों सदनों में पेश किया गया था। इसके बाद जून 2022 में कनाडा ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एक्ट का प्रस्ताव रखा, जिसमें उच्च प्रभाव वाली एआई प्रणालियों के बारे में जोखिम प्रबंधन और सूचना प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया गया। जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एआई के लिए मानव केंद्रित दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद की और अब अंततः जापान में ही आगामी जुलाई माह में तीन दिनों तक एआई को लेकर जो एक विशद सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उसका उद्देश्य एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करना है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वास्तव में यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई सिद्धांतों की समीक्षा करेगा- मसलन वैश्विक एआई नीति ढांचों में गहराई से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि मानव गरिमा, विविधता, समावेश और पारदर्शिता मुख्य मुद्दे के रूप में गहन विचार-विमर्श के केंद्र में रहें। यूरोप, जापान, ओईसीडी तथा जी-7 जैसे संगठनों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई वैश्विक रूप से अनुकूल और एकीकृत दिशा ले सके। इस सम्मेलन में सिर्फ सिद्धांतों तक बात सीमित नहीं रहेगी बल्कि तकनीकी सुरक्षा पर भी फोकस होगा। तकनीकी जोखिम जैसे बायस, एलाइनमेंट, आउटपुट के स्पष्टीकरण इत्यादि की भी केंद्रीय चर्चा होगी। सबसे ज्यादा इस बात पर जोर दिया जाएगा कि इंसानी समाज के नजदीकी नैतिक मुद्दों के साथ-साथ भविष्य की चिंताओं जैसे मानव-समान बुद्धिमत्ता और चेतना जैसी जटिल स्थितियां भी विचार में रहेंगी। अगर यह कहा जाए कि अंततः यह सम्मेलन एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय करेगा या उस दिशा की ओर आगे बढ़ेगा, तो गलत नहीं होगा।

कुछ नियम होंगे निर्धारित

यह जरूरी नहीं है कि इस सम्मेलन के बाद एआई से संबंधित कोई वैश्विक नियम लागू हो ही जाए कि एआई का इस्तेमाल इस नियम के तहत किया जाएगा। हो सकता है अभी यहां तक बात न पहुंचे, लेकिन इस सम्मेलन से यह तय होगा कि एआई किन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगी। मसलन स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत विकास, जैसे मानव हितैषी क्षेत्रों में एआई का किस तरह ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक इस्तेमाल करके मानव समाज को बेहतर बनाया जाए। इस सम्मेलन में यह भी तय होगा कि एआई का उपयोग हथियारों को घातक बनाने, इंसान की सूक्ष्म निगरानी करने या उसके विरुद्ध अमानवीय प्रयोगों में न किया जाए। इसके लिए सिर्फ रोक-टोक भर काफी नहीं होगी बल्कि स्पष्ट रूप से नियम बनाए जाएंगे और कड़े से कड़े नैतिक सवालों से उन्हें घेरा जाएगा।

एआई विकास की दिशा तय होगी

सवाल है आखिर किन मूल्यों के आधार पर भविष्य में एआई का विकास हो और उसके इस्तेमाल की दिशा तय हो? सुनिश्चित रूप से अभी तक इस सम्मेलन की जो विमर्शगत थीम तैयार हुई है, उसके मुताबिक इस सम्मेलन में एआई की पारदर्शिता, उसकी जवाबदेही, मानव गरिमा और अधिकारों का सम्मान तथा विविधता व समावेशिता के नियमों पर कड़ाई से एआई को खरा उतरना पड़ेगा। इस बात पर पूरी दुनिया के बीच एक निर्णायक समझ बनेगी। यह सम्मेलन एआई तकनीकी विकास की भी दिशा तय करेगा। मसलन, ऐसी तकनीक विकसित होगी, जिसका उद्देश्य मानव समाज के व्यापक हित में हो और जिसके विकास का निर्णय समझाया जा सके। इस सम्मेलन में बायस फ्री एआई यानी ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति सहमति बनेगी, जिसमें पहले से कोई पूर्वग्रह न हो और हां, अंतिम रूप से यह तय किया जाएगा कि एआई का अंतिम नियंत्रण मनुष्य के हाथ में रहे, एआई के हाथ में मनुष्य का नियंत्रण न जाए। यह सम्मेलन विभिन्न देशों, विभिन्न टेक्नो कंपनियों और समाज के बीच क्या सही है, क्या गलत है, इस पर अंतिम रूप से अपनी निर्णायक सोच विकसित करेगा ताकि भविष्य में एआई का इस्तेमाल बेतरतीब न हो बल्कि यह नैतिक और जिम्मेदारी के नियंत्रण में रहे। कुल मिलाकर यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई विकास, वैश्विक नैतिक दिशा निर्देश, तकनीकी सुरक्षा और एआई को लेकर एक दीर्घकालिक समझ को विकसित करेगा। *

कई वजहों से महत्वपूर्ण होगा यह सम्मेलन

अगर कहा जाए कि होने वाला यह सम्मेलन मानव समाज के लिए अंततः एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करेगा, इसके लिए कानून भले न बनाए, लेकिन नीति, प्राथमिकता और नैतिक दिशा तय करेगा, तो गलत नहीं होगा। वास्तव में यह सम्मेलन इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि- इसमें नीति और नवाचार के बीच सेतु बनाया जाएगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर जारी वैश्विक दिशा में जापान की अपनी भागीदारी बढ़ेगी। तकनीकी संरक्षण और नैतिक शासन के दृष्टिकोण से जापान को भी केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अवसर इस सम्मेलन के जरिए हासिल होगा। साथ ही इस सम्मेलन में स्वतंत्र अनुसंधानों और मल्टी स्टेकहोल्डरों की दृष्टि साझी होगी। मतलब यह कि यह सम्मेलन सिर्फ सरकार या तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उद्योग जगत, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन के जरिए इसमें निर्णायक हस्तक्षेप करेंगे।

{ फ्यूचर प्लानिंग / शैलेंद्र सिंह }

बहुत जल्द अंतरिक्ष में होगा इंडियन स्पेस स्टेशन

फिलहाल आईएसएस और चीन के स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव हैं। इनके अलावा जल्द ही भारत का अपना स्पेस स्टेशन भी स्पेस में पहुंच जाएगा। इसकी प्लानिंग और खासियतों पर एक नजर।

अब से दो वर्ष पहले 23 अगस्त 2023 को जब भारत, चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना था, उसके पहले किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि भारत जैसा देश भी आने वाले एक दशक के भीतर स्पेस में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की भी घोषणा कर सकता है। लेकिन जब हम चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल हुए, उसके बाद यह घोषणा की थी। अब किसी को इस बारे में आशंका नहीं रह गई है कि निकट भविष्य में भारत, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा।

तीन साल बाद होगा लांचः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल 2028 तक भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन लांच करने का ऐलान किया है। उसके मुताबिक 2028 में लांच होने वाला मॉड्यूल एक रोबोटिक मॉड्यूल होगा यानी, एक ऐसा उपग्रह जहां हम डॉक कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लेकिन इंसान का अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना साल 2035 के बाद ही संभव होगा।

कुछ ऐसा था पहला आईएसएसः अंतरिक्ष स्टेशन (एसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन या रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह होता है। दुनिया का पहला अंतरिक्ष स्टेशन साल्युट 1 था, जिसे तत्कालीन सोवियत संघ (अब मुख्य तौर पर रूस) ने 19 अप्रैल 1971 को कजाकिस्तान के बायकोनूर कॉसमोड्रोम से लांच किया था। यह अंतरिक्ष स्टेशन करीब 20 टन वजनी और बेलनाकार था। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 4.25 मीटर थी। सिंगल डॉकिंग पोर्ट वाला यह स्टेशन, तीन कार्यशील खंडों में विभाजित था। इसके भेजने का मुख्य मकसद लंबी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा में इंसान के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और अंतरिक्ष से पृथ्वी की निरंतर तस्वीरें लेना था।

दुनिया का पहला एसएस साल्युट-1

अभी एक्टिव हैं दो एसएसः अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में पूरी तरह से कार्यरत दो अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद हैं। पहला आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन) और दूसरा चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन यानी टीएसएस। वर्तमान में जो कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन है, उसे 20 नवंबर 1998 को लांच किया गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के नेतृत्व में संचालित यह स्पेस स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय सहयोग से संचालित परियोजना है। इसमें 5 देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां भागीदार हैं। अमेरिका की नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन), रूस की रोस्कोस्मोस, जापान की जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), यूरोप की ईएसए (यूरोपीयन स्पेस एजेंसी) और कनाडा की सीएसए (कनाडियन स्पेस एजेंसी)। इस स्पेस स्टेशन में छह भाग हैं, जिसमें दो बाथरूम, एक जिम और एक 360 डिग्री का दृश्य दिखाने वाली खिड़की। नासा के मुताबिक इस अंतरिक्ष स्टेशन की माप करीब 109 मीटर है। इसे 1984 और 1993 के बीच डिजाइन किया गया था। साल 2000 से इस अंतरिक्ष स्टेशन में दुनिया के अलग-अलग देशों के एस्ट्रोनॉट्स ने रहना शुरू किया। ये अंतरिक्ष यात्री यहां रहकर दूसरे ग्रहों की स्टडी और विभिन्न तरह के दूसरे प्रयोग करते हैं। मौजूदा आईएसएस धरती से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहकर पृथ्वी के चक्कर काटता है। इसकी रफ्तार 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा है, जिससे यह महज 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

आईएसएस के अलावा अंतरिक्ष में जो दूसरा अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है, वह चीन का तियांगोंग है। यह एक स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन है, जिसकी लंबाई 55 मीटर या 180 फीट है। इसमें तीन मॉड्यूल हैं, जिसमें एक कोर मॉड्यूल है, जहां छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा चीन के इस अंतरिक्ष स्टेशन में 3,884 क्यूबिक फुट या 110 क्यूबिक मीटर के दो मॉड्यूल हैं। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन, नासा के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छोटा है। यह पृथ्वी से 450 किमी तक कक्षीय ऊंचाई पर काम करता है।

ऐसा होगा इंडियन स्पेस स्टेशनः इसरो ने अपनी इस महत्वाकांक्षा का खुलासा साल 2019 में ही कर दिया था और तब ही ऐलान भी किया था कि अगले 20 से 25 सालों में भारत का अंतरिक्ष में अपना बेस होगा। कहने का मतलब यह कि अंतरिक्ष स्टेशन इसरो के फ्यूचर प्लान में काफी पहले से शामिल रहा है। इसरो के मुताबिक प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल का वजन 8 टन होगा, जिसका वजन बाद में 20 टन का भी हो सकता है। इसमें एक साथ 4 से 5 एस्ट्रोनॉट्स रह सकेंगे और इसे पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा में रखा जाएगा, जिसे एलईओ (लोअर अर्थ ऑर्बिट) कहते हैं और यह धरती से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत अपने गगनयान मिशन को भी पृथ्वी के लोअर आर्बिट में ही भेजने वाला है, वहीं पर इसरो का अपना स्पेस सेंटर भी स्थापित होगा। भारत सरकार ने इसके लिए जरूरी फंड कई साल पहले जारी कर दिया था। *

{ गजल / अवतार सिंह अक्षरजीवी }

सच बोलने वाले

सच बोलने के खतरे बहुत हैं
सच बोलने वाले मरते बहुत हैं
सब जानते हैं फिर भी सच
कहते हैं कम, डरते बहुत हैं
न देखा न सुना जाता है ये
हौव्वा है इससे छुपते बहुत हैं
गिर गया तो उठाता नहीं कोई
सच से लोग खिचकियाते बहुत हैं
ठाठकों में कमी छुपाते हैं लोग
सच कहने वाले पे हंसते बहुत हैं
सच बोलने वाले गिनती के हैं बस
झूठ पर जीने वाले मिलते बहुत हैं

{ लघुकथा / गीता सिंह }

बांझिन का घर

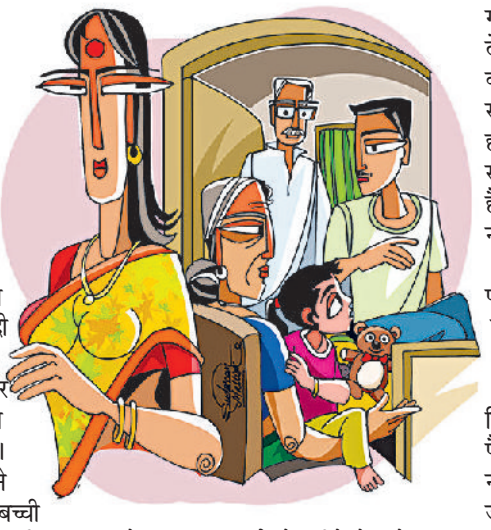

सुजाता अपने सास-ससुर के लिए चाय-नाश्ता बना रही थी, जो बस थोड़ी देर पहले ही आरा से पटना आए थे। सुजाता के सास-ससुर अपनी पोती से मिलने के लिए अकसर आरा से पटना आ जाया करते थे। बेटे की शादी के काफी सालों बाद उन्हें दादा-दादी बनने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

रविवार की छुट्टी थी। सुजाता का पति समीर आज घर पर ही था। वह सोफे पर बैठा हुआ टीवी देख रहा था। पास ही तीन साल की बेटी बिट्टो भी अपने खिलौनों से खेल रही थी। बीच-बीच में वह अपने पापा से टीवी पर कार्टून चैनल लगाने की जिद्द भी करती, लेकिन समीर बिट्टो को झिड़क देता। बच्ची डरकर शांत बैठ जाती या रोते हुए अपनी मम्मी के पास पापा की शिकायत लेकर पहुंच जाती। सुजाता, बेटी को कभी प्यार तो कभी गुस्से से समझाकर वापस खेलने के लिए भेज देती।

तभी सुजाता ने समीर को आवाज लगाई, 'चाय-नाश्ता तैयार हो गया है। टीवी बंद कर मम्मी-पापा के कमरे में चले जाइए। आप भी वहीं बैठकर उनके साथ नाश्ता कर लीजिए।'

समीर अनमने मन से टीवी बंद करके दूसरे कमरे में मम्मी-पापा के पास चला गया। कमरे में घुसते ही वहां का हाल देखकर झल्लाते हुए बोला, 'बिट्टो तो घर में कोई सामान जगह पर नहीं रहने देती। सब सामान इधर-उधर फैलाती रहती है। बेड का हाल तो देखो जरा, कितनी बुरी हालत हो रही है। उफ्फ! बेडशीट पर इतनी सिलवटें हैं, कितनी गंदी हो गई है। कभी घर साफ ही नहीं रहता।'

इस बात पर सुजाता कुछ बोलती, उससे पहले उसकी सासू मां बोल पड़ीं, 'अरे, बच्चे वाला घर है, किसी बांझ-बांझिन का घर थोड़ी न है, जो हरदम साफ रहेगा।' उन्होंने ऐसा बोलकर अपने बेटे को तो शांत कर दिया, किंतु सुजाता के भीतर घोर अशांति फैला दी। उसका मन अशांत होता भी क्यों नहीं? आखिर सुजाता के मन-मस्तिष्क पर जमे कुछ शब्दों के अर्थ आज सामने जो थे।

बरसों से करीने से सजे साफ-सुथरे घर रखने पर तब जो तारीफ सुजाता को दूसरों से मिला करती थी, सासू मां मौजूद होने पर थोड़ा मुस्कुराते हुए हमेशा यही बात बोला करती थीं, 'घर तो साफ रहेगा ही...।'

सासू मां इतना बोलकर चुप हो जाती थीं। सुजाता को तब लगता कि शायद सासू मां उसकी तारीफ में ऐसा बोला करती हैं। ...लेकिन आज उन्होंने पूरी बात बोलकर, उन शब्दों के अर्थ अनजाने में ही सुजाता के सामने प्रकट कर दिए थे- 'घर तो साफ रहेगा ही... बांझिन का घर जो ठहरा...' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आत्मीय ऊष्मा से भीगे संस्मरण

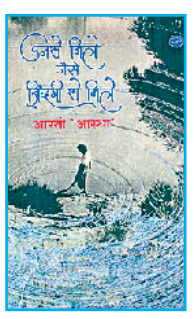

कवयित्री और कथाकार आरती 'आस्था' के द्वारा लिखे गए दस संस्मरणों की किताब 'उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले' हाल में छपकर आई है। इनमें एक तरफ जहां उनके निजी जीवन की छवियां उजागर होती हैं, वहीं आज के संवेदनहीन होते जा रहे समय में भावनात्मक संबंधों की अत्यंत सघन अनुभूतियां, मन को आश्वस्त करती हैं कि अब भी दुनिया में बहुत कुछ सुंदर और संजोने लायक बचा हुआ है। इनमें राजेंद्र राव, ओम निश्चल, कृष्ण बिहारी, विनोद श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी और आशीष शुक्ला जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में अर्जित अनुभूतियों को लेखिका ने मार्मिकता के साथ शब्दों में पिरोया है। इनके अलावा कुछ ऐसे स्नेही स्वजनों के प्रति भी उन्होंने शाब्दिक कृतज्ञता अर्पित की है, जिन्होंने जीवन के कठिन समय में उन्हें संबल दिया। शिल्पगत कृत्रिमता से मुक्त, सहज भाषा में लिखे गए ये संस्मरण मन में ठहर जाते हैं। वास्तव में ईमानदारी और सहजता ही इन संस्मरणों का सौंदर्य है, जो पारंपरिक संस्मरण विधा की बनी-बनाई परिधि से इतर इन संस्मरणों को अलग पहचान प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार यश मालवीय ने पुस्तक की भूमिका में उचित ही लिखा है, 'पृष्ठ-पृष्ठ पर जैसे यादों का लोहबान जल रहा है। आत्मीय ऊष्मा से नहा गया है मन।' *

पुस्तकः उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले, **लेखिकाः** आरती 'आस्था', **मूल्यः** 180 रुपए, **प्रकाशकः** सर्व भाषा ट्रस्ट, दिल्ली

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

Advt...

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

तीर्थयात्रा
डॉ. शिबन कृष्ण रैणा

हर वर्ष सावन माह में बाबा अमरनाथ धाम में प्राकृतिक रूप से निर्मित होने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश भर से हजारों-लाखों श्रद्धालु अमरनाथ तीर्थयात्रा करते हैं। अत्यंत दुर्गम होने के बावजूद धार्मिक आस्था और पुण्य अर्जित करने की कामना से भक्तगण इस यात्रा में भरपूर उत्साह से सम्मिलित होते हैं। इस यात्रा की विशिष्टता और महत्ता के बारे में जानिए।

आध्यात्मिक आनंद-अक्षय पुण्य प्रदान करती है अमरनाथ यात्रा

भारत वर्ष तीर्थों की पवित्र भूमि है। इस धरा पर ऐसा कोई प्रांत नहीं, जहां तीर्थस्थल न हों। ये तीर्थस्थल दीर्घकाल से आस्था एवं विश्वास के प्रमुख केंद्र रहे हैं। सनातन धर्मावलंबियों के लिए कश्मीर प्रांत में स्थित अमरनाथ नामक तीर्थस्थल का विशेष महत्व है। कल्हण की 'राजतरंगिणी' में इस तीर्थ को 'अमरेश्वर' कहा गया है। अमरनाथ हिंदी के दो शब्द 'अमर' अर्थात 'अनश्वर' और 'नाथ' अर्थात 'भगवान' को जोड़कर बनता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों- सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ॐकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, वैद्यनाथ, त्रयंबकेश्वर, रामेश्वरम, नागेश्वर और घृष्णेश्वर के अतिरिक्त अमरनाथ का भी विशेष महत्व है। शिव के प्रमुख स्थलों में अमरनाथ अन्यतम है। इसीलिए अमरनाथ को तीर्थों का तीर्थ कहा जाता है। मृत्यु को जीतने वाले मृत्युंजय शिव अमर हैं, इसीलिए अमरेश्वर भी कहलाते हैं। श्रद्धालु अमरेश्वर को ही बाबा अमरनाथ और बर्फानी-बाबा भी कहते हैं। अमरनाथ तीर्थस्थल जम्मू-कश्मीर राज्य के श्रीनगर शहर के उत्तर-पूर्व में 141 किलोमीटर दूर समुद्र तल से 3,888 मीटर (12756 फुट) की ऊंचाई पर स्थित है। इस गुफा की लंबाई (भीतर की ओर गहराई) 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। 40 मीटर ऊंची अमरनाथ गुफा में पानी की बूंदों के जम जाने की वजह से ठोस बर्फ का एक अप्रतिम-दैवीय शिवलिंग निर्मित होता है।

पौराणिक मान्यता: एक पौराणिक गाथा के अनुसार भगवान शिव ने पार्वती को अमरत्व का रहस्य (जीवन और मृत्यु के रहस्य) बताने के लिए इसी गुफा को चुना था। कथा के अनुसार जब देवी पार्वती ने भगवान शिव से अमरत्व के रहस्य को प्रकट करने के लिए कहा, तब यह रहस्य बताने के लिए भगवान शिव, पार्वती को हिमालय की इस गुफा में ले गए, ताकि उनका यह रहस्य कोई भी न सुन पाए और यहीं पर भगवान शिव ने देवी पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था।

पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता: इतिहासकारों का मानना है कि अमरनाथ यात्रा, हजारों वर्षों से चली आ रही है। अमरनाथ-दर्शन का महत्त्व पुराणों में भी मिलता है। बृंगेश संहिता, नीलमत पुराण, कल्हण की राजतरंगिणी आदि में इस तीर्थ का उल्लेख मिलता है। नीलमत पुराण में अमरेश्वर के बारे में दिए गए उल्लेख से पता चलता है कि इस तीर्थ के बारे में छठी-सातवीं शताब्दी में भी लोगों को जानकारी थी। स्वामी विवेकानंद ने 1898 में जब अमरनाथ गुफा की यात्रा की तो भावविभोर होकर कहा था, 'मुझे सचमुच लगा कि स्वयं शिव के दर्शन हो गए हैं। मैंने ऐसी सुंदर प्रतिमा कभी नहीं देखी और न ही किसी धार्मिक-स्थल की यात्रा का इतना आनंद आया।'

यात्रा के हैं दो मार्ग: अमरनाथ की गुफा तक पहुंचने के लिए सामान्यतः दो मार्ग हैं। प्रथम पहलगाम मार्ग और दूसरा सोनमर्ग-बालतल मार्ग। पहलगाम मार्ग अपेक्षाकृत सुविधाजनक है, जबकि बालतल मार्ग हालांकि अमरनाथ की गुफा से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन यह मार्ग अत्यंत दुर्गम है। सामान्यतः यात्री पहलगाम मार्ग से ही अमरनाथ यात्रा करते हैं। पहलगाम से अमरनाथ की दूरी 45 किलोमीटर है। इस यात्रा मार्ग में चंदनबाड़ी, शेषनाग तथा पंचतरणी तीन प्रमुख रात्रि पड़ाव हैं। प्रथम पड़ाव चंदनबाड़ी है, जो पहलगाम से 12.8 किलोमीटर की दूरी पर है। तीर्थयात्री पहली रात यहीं पर बिताते हैं। दूसरे दिन पिस्सू घाटी की चढ़ाई प्रारंभ होती है। चंदनबाड़ी से 13 किलोमीटर दूर शेषनाग में अगला पड़ाव होता है। यह चढ़ाई अत्यंत दुर्गम है। यहीं पर पिस्सू घाटी के दर्शन होते हैं। पूरी यात्रा में पिस्सू घाटी का मार्ग बहुत कठिन है। पिस्सू घाटी समुद्र तल से 11,120 फुट की ऊंचाई पर है। इसके पश्चात यात्री शेषनाग पहुंचते हैं। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबाई में फैली हुई झील अत्यंत सुंदर है। तीर्थयात्री रात्रि में यहीं विश्राम करते हैं। तीसरे दिन यात्रा पुनः आरंभ होती है। इस यात्रा मार्ग में महागुणास दर्रे को पार करना पड़ता है। महागुणास से पंचतरणी का पूरा रास्ता ढलान-युक्त है। छोटी-छोटी पांच नदियों के बहने के कारण यह स्थान पंचतरणी नाम से प्रसिद्ध हुआ है। पंचतरणी से अमरनाथ की पवित्र गुफा 6 किलोमीटर की दूरी पर है। गुफा के समीप पहुंच कर पड़ाव डाल दिया जाता है तथा प्रातःकाल पूजन इत्यादि के पश्चात शिव के हिमलिंग के दर्शनोपरांत भक्तजन पुण्य लाभ के भागीदार बनते हैं।

प्राप्त होता है पुण्य लाभ: प्रतिवर्ष संपन्न होने वाली इस पुण्यदायिनी यात्रा से अनेक पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि अमरनाथ दर्शन और पूजन से महापुण्य प्राप्त होता है। शास्त्रों में इंद्रिय निग्रह पर विशेष बल दिया गया है, जिससे मुक्ति की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में वर्णित है कि अमरनाथ यात्रा 'निग्रह' के बिना ही मुक्ति प्रदान करने वाली है, क्योंकि यात्राक्रम में आने वाली कठिनाइयों और गंतव्य-स्थल पर पहुंच कर होने वाले अनेकविध अनुभवों के कारण तीर्थयात्री को विविध प्रकार के सांसारिक कष्टों का बोध होता है। साथ ही शिव के हिमलिंग रूप के दर्शन से उसका हृदय इतना संयमित हो जाता है कि इंद्रिय-निग्रह किए बिना ही उसे मुक्ति प्राप्त होती है। भोलेनाथ भक्तों के समस्त भव रोगों और दुःखों का समूल नाश करते हैं।

श्रद्धा-सौहार्द भरी यात्रा: श्रावण मास में पवित्र हिमलिंग के दर्शनार्थ लाखों लोग भिन्न-भिन्न प्रदेशों से यहां आते हैं। अमरनाथ यात्रा से संबंधित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक तथ्य यह है कि यह यात्रा पारस्परिक सद्भाव के प्रचार-प्रसार का कार्य भी करती है। विभिन्न प्रांतों से शिव के दर्शनार्थ आने वाले भक्तों में परस्पर समभाव की भावना विकसित होती है। विभिन्न भाषा-भाषी लोगों में परस्पर वार्तालाप होता है, भाईचारे की भावना का विकास होता है और विभिन्न प्रांतों की भौगोलिक जानकारी का आदान-प्रदान होता है। अतः अमरनाथ तीर्थयात्रा को तीर्थाटन के अतिरिक्त श्रद्धा, ज्ञान एवं सौहार्द के समुच्चय के रूप में भी जाना जाता है। *

अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी पर्सनालिटी से इंप्रेस हो, हर कोई आपसे जुड़ना चाहे, आपकी हेल्प करने को तैयार रहे, तो इसके लिए आपको खुद में कुछ क्वालिटीज को डेवलप करना होगा। इस बारे में जानिए।

पर्सनालिटी बनेगी मैग्नेटिक
डेवलप करें ये क्वालिटीज

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

मनीष का सोशल सर्कल देखकर उसके कुछ रिश्तेदारों को बड़ी हैरानी हुई। उसकी बेटी की शादी थी तो उसकी पूरी सोसाइटी और ऑफिस के लोग उसकी मदद के लिए ऐसे तत्पर थे, मानो वह कोई बहुत बड़ी हस्ती हो। किसी को कहने भर की देर थी काम चुटकियों में हो रहा था। कुछ रिश्तेदारों को उसके इस रुतबे से बेहद खुशी हुई, तो कुछ को ईर्ष्या भी महसूस हुई। उसके चचेरे भाई ने जरूर उसकी पीठ ठोकते हुए कहा, 'भाई तूने अपनी अच्छी रेपुटेशन बना रखी है। बिल्कुल चुंबक है, चुंबक।' ऐसी चुंबकीय पर्सनालिटी का स्वामी बनना बहुत कठिन बात नहीं है। इसके लिए आपको बस कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

दूसरों को स्पेशल फील कराएं: हर व्यक्ति स्वयं को महत्वपूर्ण मानता है और चाहता है कि दूसरे भी उसे मान सम्मान दें। यह स्वभाव सामान्य से लेकर अति विशिष्ट तक हर व्यक्ति का होता है। सब चाहते हैं कि उसकी सराहना की जाए और वह ऐसे ही व्यक्ति को पसंद करते हैं, जो उन्हें ऐसा महत्व देता है। इसलिए मानव व्यवहार की इस मूलभूत इच्छा को समझें और लोगों के साथ ऐसा ही आचरण करें। जाहिर है, वे भी आपके साथ ऐसा ही व्यवहार करेंगे।

सोशल नेटवर्क बढ़ाएं: हमारे जीवन में सामाजिक संबंधों का होना बेहद जरूरी है। ये प्रोफेशनल ही नहीं, पर्सनल लाइफ में भी बहुत सपोर्ट करते हैं। लोगों से मेल-जोल बढ़ाएं। उनके साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करें। महत्वपूर्ण अवसरों पर उन्हें निमंत्रण और उपहार दें। किसी के निमंत्रण पर वहां जरूर जाएं। अगर कोई मुसीबत में है और उसे आपकी जरूरत है तो उसकी यथासंभव मदद करें। आपका मृदु व्यवहार और मिलनसार स्वभाव न सिर्फ आपका सामाजिक दायरा बढ़ाता है, यह आपको उन ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद कर सकता है, जिनकी आप कामना करते हैं।

आभार और बधाई देना सीखें: सहयोग या मदद के बदले आभार प्रकट करने वाले और किसी की उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं देने में आगे रहने वाले लोगों को हर कोई पसंद करता है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते। आप अगर इन दोनों गुणों को अपना लेते हैं तो लोग आपको जरूर पसंद करेंगे, आपको इंपॉर्टेंस देंगे।

उम्मीदें ना करें: लोगों से उम्मीदें रखने से अकसर निराशा हाथ लगती है। जब आपकी उम्मीदें पूरी नहीं होतीं, तो आप उनके प्रति बुरा सोचने लगते हैं। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक ही है। फिर दूसरे भी आपसे दूर रहने लगते हैं। जीवन में व्यावहारिक बनें और सरल सोचें। अगर आपने किसी की मदद की है, तो वह आपका स्वभाव है और आपको सुविधा थी तो आपने वैसा किया। इस भाव से मदद करने और संपर्क रखने पर जादुई असर होता है। लोगों के एक बड़े समूह के बीच आप लोकप्रिय होने लगते हैं।

शब्दों का चयन सावधानी से करें: आप लोगों से अपनी बातचीत के माध्यम से जुड़ते हैं। उन्हें प्रभावित भी संवाद से ही किया जा सकता है। आप बोलते वक्त कैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, आपकी टोन कैसी है, बॉडी लैंग्वेज कैसी है आदि बातें बहुत मायने रखती हैं। दूसरों की बात गौर से सुनें, आई कॉन्टेक्ट रखें। कोई अपनी बात कह रहा है तो बीच में अपनी गाथा ना सुनाएं। अनचाही सलाह देने से बचें और तेज आवाज में बात न करें। कम्युनिकेशन स्किल जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है, चाहे वह रिश्ते बनाना हो या कारोबार बढ़ाना हो। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली होने लगेगा। लोग आपसे जुड़ते चले जाएंगे। *

उपयोगी पेड़
वीना गौतम

अच्छी सेहत के साथ अच्छी आमदनी भी कराए अनार

पौष्टिकता और औषधीय गुणों से भरपूर अनार का वैज्ञानिक नाम 'पुनिका ग्रैनटम' है। यह 'लिथरेसी' परिवार का पेड़ है। हाल के सालों में अनार एक महत्वपूर्ण नकदी फसल के रूप में उभर कर सामने आया है। अनार मध्यम आकार का झाड़ीनुमा वृक्ष होता है, जो आमतौर पर 6 से 8 फुट ऊंचा होता है, लेकिन व्यवस्थित तरीके से देखरेख करने पर इसके पेड़ 10 से 15 फीट तक भी ऊंचे हो सकते हैं। इसका फल गोलाकार, कठोर परत वाला होता है। इस कठोर परत के नीचे लाल रंग के रसदार दाने भरे होते हैं।

सदियों पुराना पेड़: अनार मूलतः ईरान और उत्तरी भारत का देशज पेड़ माना जाता है। भारत में अनार का पेड़ प्राचीनकाल से मौजूद रहा है। हमारे प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी अनार के औषधीय गुणों का उल्लेख मिलता है। प्राचीनकाल में अनार राजा-महाराजाओं के लिए ही उपलब्ध था, यह उनके भोजन और फलाहार का हिस्सा हुआ करता था।

अनार की विभिन्न किस्में: भारत में अनार की पाई जाने वाली सबसे लोकप्रिय किस्म 'भगवा' है। इस किस्म के फल बड़े और दाने चमकदार लाल रंग के होते हैं। निर्यात के लिए यह उपयुक्त किस्म मानी जाती है। भगवा के अलावा कंधारी, गणेश, अर्का मृदुला, अर्का रक्षक, ज्योति, रूबी नाम की किस्में पाई जाती हैं। हर किस्म की कुछ न कुछ खासियत होती है।

भारत में खेती: पहले अनार का पेड़ आमतौर पर हिमालयी क्षेत्रों और दक्कन के पठार में ही पाया जाता था। मगर आजकल देश के ज्यादातर हिस्सों में इसकी अलग-अलग किस्में उगाई जाती हैं। भारत में व्यावसायिक दृष्टि से अनार का सर्वाधिक उत्पादन महाराष्ट्र में होता है। महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश और पंजाब के कई क्षेत्रों में भी अनार की खेती की जाती है। अनार की खेती के लिए उपयुक्त दशाओं की बात करें तो इसके लिए लिए कम वर्षा, हल्की दोमट मिट्टी और 5.5 से 7.5 पीएच की भूमि सबसे उपयुक्त होती है।

किसानों के लिए फायदेमंद: एक एकड़ जमीन में करीब 400 से 500 अनार के पेड़ लग जाते हैं और हर पेड़ से कम से कम 10 से 12 किलो अनार का उत्पादन होता है। प्रति एकड़ 4000 से 6000 किलोग्राम तक अनार का उत्पादन हो सकता है। इसमें 60 हजार से 1 लाख रुपए के बीच लागत आती है। अगर इसका बाजार भाव 80 रुपए भी मिल जाए तो किसान को हर साल 3 से 4 लाख रुपए की आमदनी हो सकती है। *

टेक्नो-बिहेवियर
मेघा राठी

लगभग सभी सोशल मीडिया यूजर्स इमोजी का यूज करते ही हैं। लेकिन इसका यूज करते समय कुछ एटिकेट्स का ध्यान रखना जरूरी है। इमोजी डे (17 जुलाई) के अवसर पर जानिए इनके बारे में।

जब यूज करें इमोजी ना भूलें एटिकेट्स

इन दिनों सोशल मीडिया पर चैटिंग करने के दौरान या मैसेज भेजते समय इमोजी का यूज करना एक ट्रेंड बन गया है। लेकिन इमोजी भेजते समय लापरवाही बरतना आपकी इमेज बिगाड़ सकता है, आपको नॉनसिरीयस साबित कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि शब्दों की तरह ही इमोजी का भी यूज सोच-समझकर करें।

डिजिटल युग में कम्युनिकेशन: वर्तमान डिजिटल युग में संवाद का स्वरूप तेजी से बदला है। सोशल मीडिया पर लेख, पोस्ट, सूचनाएं या अनुभव कुछ भी पढ़कर शीघ्रता से प्रतिक्रिया के रूप में 'लाइक', 'डिसलाइक' या किसी अन्य प्रतीक के रूप में इमोजी भेज दिया जाता है। इनमें सबसे अधिक प्रयोग होने वाला चिन्ह है- दिल। यह प्रतीक जो मूलतः प्रेम, आत्मीयता या गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन अब रिएक्शन का सबसे सरल प्रतीक बन गया है। चाहे विषय गंभीर हो, आध्यात्मिक हो, संघर्षपूर्ण जीवन अनुभव हो या सामाजिक समस्या-सब पर एक समान प्रतिक्रिया के रूप में यह चिन्ह लगा दिया जाता है।

प्रतीकों का भी होता है संदर्भ: वास्तव में, 'दिल' तब उपयुक्त प्रतीक होता है, जब विषय आत्मीय हो- जैसे मित्रता, स्नेह, समर्थन या व्यक्तिगत अनुभवों में सहानुभूति। लेकिन जब विषय दार्शनिक, वैचारिक या तर्कसंगत हो या जब वह शोक, पीड़ा या सामाजिक असमानता से जुड़ा हो, तब ऐसे प्रतीकों से प्रतिक्रिया देना विषय की गंभीरता को हल्का बना देता है। यह न केवल लेखक के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि भेजने वाले की समझ पर भी प्रश्न उठाता है।

हर जगह इमोजी भेजना उचित नहीं: इमोजी भेजने की प्रवृत्ति सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रही, अब लोग आधिकारिक ईमेल, विभागीय संदेश या वरिष्ठों को भेजे जाने वाले संवादों में भी इमोजी का प्रयोग करने लगे हैं। यह न केवल संवाद की गंभीरता को कम करता है, बल्कि कई बार यह आपकी अनुशासनहीनता या असंवेदनशीलता का संकेत भी माना जा सकता है। इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए। इमोजी का प्रयोग मित्रता, निजी वार्तालाप में उपयुक्त है, लेकिन इसकी सीमाएं स्पष्ट होनी चाहिए। डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ विवेक भी आवश्यक है।

डिजिटल एटिकेट का रखें ध्यान: किसी भी इमोजी को सेलेक्ट करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें।

- सोच-समझकर इमोजी का चयन करें।
- कार्यालय या वरिष्ठों के साथ संवाद में औपचारिक भाषा अपनाएं।
- गंभीर विषयों पर केवल इमोजी के बजाय मौलिक प्रतिक्रिया दें।
- यदि इमोजी भेजना हो तो विषय के अनुकूल ही सेलेक्ट करें। प्रतीकों का प्रयोग प्रासंगिकता के साथ होना चाहिए, न कि केवल आदत या सुविधा के कारण। *

कुछ कॉमन इमोजी

- ❤️ स्नेह, मित्रता, सहानुभूति, प्रेरणा।
- 😂 हंसी मजाक, मीम, हल्के-फुल्के निजी संवाद।
- 😢 संवेदना, शोक व्यक्त करने के लिए।
- 🙏 धन्यवाद, सम्मान, श्रद्धांजलि, प्रार्थना।
- 🔥 प्रेरक कार्य, जोश, उपलब्धि की सराहना।
- 👏 किसी की उपलब्धि, प्रेरक विचार का समर्थन।
- 😍 रोमांटिक या सौंदर्य-प्रशंसा से जुड़े।
- 🤔 तर्क, प्रश्न, विचार-उत्तेजक विषय।

सिने-जगत / अशोक जोशी

हम जो पर्दे पर देखते हैं, वो सितारों की रील लाइफ होती है। जो जिंदगी वह वास्तव में जीते हैं, वह उनकी रियल लाइफ होती है। पर्दे पर हमें जीवंत, सुखी, स्वस्थ और ढाई घंटे में बरसों लंबी जिंदगी के दर्शन करा देने वाले कुछ सितारे ऐसे भी हैं, जिनकी जिंदगी किसी शॉर्ट फिल्म जितनी ही छोटी रही।

कम उम्र में गुजरे बीते दौर के सितारे: पिछली सदी में पचास का दशक हिंदी फिल्मों का आरंभिक दौर था। उस दौर में अभिनेता श्याम एक जाने माने सितारे थे, जिनकी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिरने से मौत हो गई थी। जिस समय यह हादसा हुआ, उनकी उम्र केवल 31 बरस ही थी। के.एल. सहगल हिंदी फिल्म के मशहूर गायक और अभिनेता थे। लेकिन शराब की लत के कारण उन्हें लीवर सिरोसिस हो गया था। मात्र साढ़े बयालिस साल की उम्र में सहगल इस दुनिया से विदा हो गए।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को 'प्यासा', 'कागज के फूल', 'साहेब बीवी और गुलाम' जैसी क्लासिक फिल्में देने वाले गुरुदत्त महज 39 वर्ष की उम्र में दुनिया छोड़ गए थे। गुरुदत्त को इन्सोम्निया (स्लीप डिसऑर्डर) की बीमारी थी। कहा जाता है कि शराब के अत्यधिक सेवन और नींद की गोली के ओवरडोज के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

हाल में गुजर गए युवा सितारे: बीते कुछ दशकों की बात करें तो फिल्म और टेलीविजन के कई प्रसिद्ध कलाकार बेहद कम उम्र में ही जिंदगी की जंग हार गए। सुशांत सिंह राजपूत ने सिर्फ 34 साल की उम्र में कथित आत्महत्या कर ली। हालांकि सुशांत की मौत की वजहों को लेकर आज भी कई तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। बिग बॉस 13 के विनर और टीवी के मशहूर अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की हार्ट अटैक के कारण हुई अचानक मृत्यु ने सभी को स्तब्ध कर दिया था। सिद्धार्थ सिर्फ 40 साल की उम्र में इस दुनिया से रुखसत हो गए। अभिनेता इंदर कुमार महज 44 साल की उम्र में दुनिया छोड़ कर चले गए। उनके निधन की भी वजह हार्ट अटैक को ही माना गया था। हालांकि अपने निधन से कुछ साल पहले इंदर कुमार एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हेलिकॉप्टर से जमीन पर गिर गए थे और तभी से उनको कई परेशानियां शुरू हो गई थीं।

कई अभिनेत्रियां भी गुजर गईं कम उम्र में: हिंदी सिनेमा की वीनस कही जाने वाली मोहक व्यक्तित्व की मलिका मधुबाला की मुस्कान आज भी दर्शकों के मस्तिष्क पर छाई हुई है। फिल्मी करियर के साथ ही उनका जीवन भी छोटा ही रहा। उन्होंने 36 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनकी मृत्यु का कारण दिल की बीमारी बताया जाता है। इसी तरह ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी की रियल लाइफ भी किसी ट्रेजडी से कम नहीं थी। पारिवारिक विवाद और दुःख से परेशान मीना कुमारी ने शराब से नाता जोड़ लिया था। अपने गम में डूबी मीना कुमारी 38 वर्ष की उम्र में इस दुनिया से कूच कर गईं। अपने जमाने की सफलतम नायिकाओं में से एक गीताबाली भी चेचक की बीमारी के कारण मात्र 34 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गईं। प्रतिभाशाली अभिनेत्री स्मिता पाटिल जब सिनेमा में आईं तो लगा था कि मीना कुमारी की खाली जगह भर जाएगी। अपने छोटे से फिल्मी जीवन में स्मिता पाटिल ने न केवल समानांतर फिल्मों में अपनी जगह बनाई बल्कि अमिताभ बच्चन के साथ 'नमक हलाल' जैसी सुपरहिट कॉमर्शियल फिल्म की सफलता में बराबर का योगदान दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश डिलीवरी के दौरान पीलिया से पीड़ित होकर वह मात्र 29 साल की उम्र में स्वर्ग सिधार गईं। बाद के दौर की बात करें तो उभरती नायिका दिव्या भारती को भी बेहद कम उम्र में मौत ने अपनी आगोश में ले लिया था। सफलता के सिंहासन पर बैठी यह नायिका मात्र 19 साल की उम्र में एक हादसे का शिकार हो चल बसीं।

स्मिता पाटिल

प्रत्युषा बनर्जी

हाल में दिवंगत हुईं एक्ट्रेसेस: बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस जिया खान भी 25 की उम्र में दुनिया को छोड़ गईं। जिया ने खुदकुशी कर ली थी। धारावाहिक 'बालिका वधु' से अपनी पहचान बनाने वालीं प्रत्युषा बनर्जी ने भी जिंदगी से हार मान कर मौत को गले लगा लिया। प्रत्युषा ने महज 24 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली थी। ऐसे ही कई सफल एवं उभरती हुई अभिनेत्रियों की मृत्यु बेहद कम उम्र में हुई। अगर एकदम हाल की घटना का जिक्र करें, तो 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर मॉडल-एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला हाल ही में 42 वर्ष की उम्र में अचानक दुनिया को अलविदा कह गईं। *

हाल में ही एक्ट्रेस-मॉडल शेफाली जरीवाला की अचानक हुई डेथ ने सबको चौंका दिया। लेकिन शेफाली से पहले भी हिंदी सिनेमा और छोटे पर्दे के कई एक्टर-एक्ट्रेसेस बहुत कम उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह गए हैं। ऐसे ही कुछ कलाकारों पर एक नजर, जो युवावस्था में ही इस जहान से रुखसत हो गए।

सितारे जिन्होंने कम उम्र में ही
दुनिया को कह दिया अलविदा

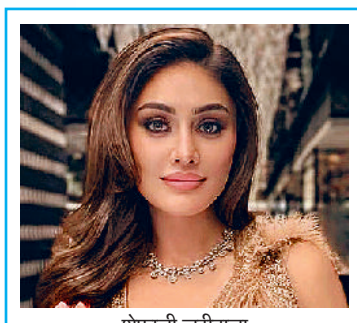

शेफाली जरीवाला

सुशांत सिंह राजपूत

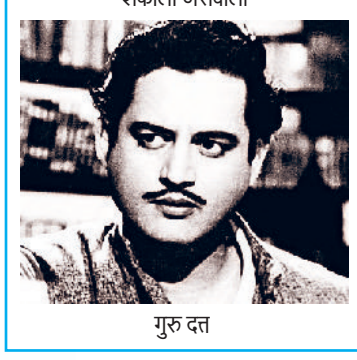

गुरु दत्त

मीना कुमारी